संचारः प्रसार माध्यम मार्गदर्शिका

लैंगिक अल्पसंख्यकों के बेहतर रिपोर्टिंग और पत्रकारिता के लिए मार्गदर्शिका / मॅन्युअल

लेखिका

अल्पना डांगे

हिंन्दी अनुवाद : विवेक पाटील

THE HUMSAFAR TRUST

India HIV/AIDS Alliance

PEHCHAN पहचान

Lakshya Trust

SAMPATHIK TRUST

संचार प्रसारमाध्यम- मार्गदर्शिका

भारत में लैंगिक अल्पसंख्यकों के बेहतर रिपोर्टींग की बेहतर पत्रकारिता के लिए सुझावित भाषा मार्गदर्शिका / मॅन्युअल

लेखिका: अल्पना डांगे

हिंदी अनुवाद: विवेक पाटील

© हमसफर ट्रस्ट प्रथम आवृत्ति– वर्ष २०१५

यह मार्गदर्शिका हमसफर ट्रस्ट के संचार प्रकल्प के अंतर्गत तैयार की गयी हैं।

इस प्रकल्प को अर्थसहायता इंडिया एच.आय.वी./एड्स अलायंस ने इनोवेशन फंड (GFATM Round 9) के तहत प्रदान की।

पृष्ठभूमि

हजारों सालों से ईसाई और इस्लाम धर्म में समलैंगिक सबंध रखनेवालों को पापी समझा गया है। समलैंगिक व्यक्तिओं को नाम नहीं था, वह अनामिक थें केवल कथाएँ थी, उनके लैंगिक कृत्यों की। आज भी अमेरिका एवं पश्चिम देशों में बहुत बार'सोडोमी' जैसे प्राचीन शब्दों का प्रयोग किया जाता है।

इस समाज को नाम देने की पहली कोशिश की इंग्लंड में एडवर्ड एलिस ने, जर्मनी में मॅग्नस हर्शफिल्ड ने और ऑस्टिया में हॅवलॉक एलिस नें। लेकिन उचित नाम खोजने के लिए (जिसकों उपनिषद् में 'वाक' शब्द का प्रयोग किया हैं)बहुत समय लगा। हर्शफिल्ड ने 'युरेनियम' शब्द का प्रयोग किया । एलिसने'इनव्हर्ट' शब्द का प्रयोग किया और आखिरकार करोल मारिया कर्टबेनी इन्होंने 'होमोसेक्शुअल' मतलब समलैंगिक आकर्षण, इस शब्द का प्रयोग किया।

'होमोसेक्शुअल' (समलैंगिक) शब्द का प्रचलन बढा और उनके साथ-साथ इस समाज के बारे में प्रसार माध्यमों में लिखा जाने लगा। प्रारंभ में यह विषय अत्यंत सनसनीखेज रुप से प्रस्तुत किया गया । ऑस्कर वाईल्ड के दौरान उनके संदर्भ में इस शब्द का प्रयोग अत्यंत हेय पद्धती से किया गया जो उस समय के निकृष्ट स्तर को दर्शाता हैं। 'होमोसेक्शुअल' के लिए अमेरिका में 'गे' शब्द का प्रयोग करने लगे (जो फ्रांस के गाय इस शब्द प्रयोग से आया होगा ऐसा अंदाज हैं)

प्रसार माध्यमों में समलैंगिक लोगों को सहिष्णुता से प्रस्तुत नहीं किया जाता हैं। आज भी समलैंगिक लोग घृणा एवं उपहास की दृष्टि से देखे एवं प्रस्तुत किए जाते हैं। उन्हे पश्चिमी सभ्यता का

अंधानुकरण करनेवाले एवं समाजव्यवस्था के विरोधी लोगो में गिना जाता हैं।

प्रसारमाध्यमों में जो लैंगिक आल्पसंख्यकों का सनसनीखेज,अवैज्ञानिक एवं एकतरफा चित्र प्रस्तुत किया जाता है, उसमें बदलाव आना चाहिए। इस आदर्श को मद्दे नजर रखतेहुए'हमसफर ट्रस्ट' ने यह मार्गदर्शिका तैयार करने के बारे में सोचा। इस मार्गदर्शिका के आधार पर प्रसारमाध्यम समलैंगिक ता, समलैंगिक लोग/ समाज और उनके विषयों को अचूक और योग्य पद्धति से प्रस्तुत करेगें, ऐसी मैं आशा व्यक्त करता हूँ।

अशोक राव कवि

अध्यक्ष: हमसफर ट्रस्ट, मुंबई

पहचान

'पहचान' ग्लोबल फंड की अर्थ सहायता सें चलाया जानेवाला एक प्रकल्प हैं। लैंगिक अल्पसंख्यक समाज में एच.आय.वी.का प्रसार ना हो इसलिए और इस समाज को सक्षम करने के लिए यह प्रकल्प कार्यरत हैं।

भारत में 'पहचान' की शुरुवात अक्टुबर २०१० सें हुई और नॅशनल एड्स कंट्रोल ऑर्गनायझेशन (NACO)की सहायता से भारत के १७ राज्यो में यह प्रकल्प चलाया जा रहा हैं।

इस प्रकल्प के पहले टप्पे का केंद्र बिंदू लैंगिक अल्पसंख्याकों की संस्थाएँ खडी करना, उनको सक्षम बनाना एवं उनको प्रशिक्षण देना था। दुसरे टप्पे का उद्देश्य गे, उभयलैंगिक ,समलैंगिक संबध रखने वाले पुरुष (MSM)तृतीयपंथी, हिजडा समाज को विविध आरोग्य के और कानूनी सुविधाएँ पहुँचाना हैं। भारत के पश्चिमी देश में इस प्रकल्प का काम मुंबई स्थित 'हमसफर ट्रस्ट' इस संस्था द्वारा लागू किया जाता हैं।

पहचान का उद्देश्य

- लैंगिक अल्पसंख्यकों की संस्थाएँ स्थापित करने के लिए मदद करना ।
- गे,उभयलैंगिक , समलैंगिक संबंध रखनेवाले पुरुष तृतीयपंथी हिजडा समाज की आरोग्य और कानूनी कायदों की जानकारी एवं सुविधाएँ देना।
- जो स्वास्थ सेवाएँ उपलब्ध हैं उन्हें अधिक सक्षम बनाना।

- **लैंगिक अल्पसंख्याकों के विषय के उपर संवाद करके उनको स्वास्थ समस्याओं के सहयोग एवं आधार प्राप्त करना।**
- **समाज में उचित दृष्टिकोन निर्माण करने की कोशिश करना जिससे गे, सम लैंगिक संबंध रखनेवाले पुरुष** (MSM)**, तृतीय पंथी, हिजडा समाज से भेदभाव एवं अत्याचार नहीं हों। और यह व्यक्ति/ समाज सम्मानपूर्वक आत्मविश्वास के साथ समाज की मुख्य धारा में सम्मिलित हो सके।**

मंतव्य

कई वर्ष पहले मेरी 'हमसफर ट्रस्ट' और उसमें काम करने वाले कार्यकर्ताओ से मेरी जान पहचान हुई। मुझे सामाजिक संशोधन कर्ता होने के नाते अपने काम के दौरान हाशिए पर रहने वाले लोगों और समुदायों के बारे में जानने और समझने का मौका मिला। पर शायद यह समझ परिपक्व नहीं थी क्यों कि मै एक विवाहित स्त्री,स्त्रियों के अधिकारों की सर्मथक इस बात सें अनभिज्ञ थी कि हमारे देश में कई लोंग ऐसे भी हैं जो लैंगिकता और उससे जुडी हुई पहचान के कारण अपने अधिकारो से वंछित हैं। इसके पश्चात मेरी यात्रा सुरु हुई एक संशोधक की तरह नही बल्कि,एक ऐसे इंसान की तरह जिसने दुनियाँ कों स्त्री एवं पुरुष केवल इस आयाम के परे देखना सीखा। लैंगिकता और उसकी पहचान के इंद्र धनुष को देखने के पश्चात मेरा सभी के समान अधिकारों, समाजिक राजनैतिक कानूनी मान्यता एवं समाज दर्जा इन मुद्दों पर सर्मथन और भी दृढ हो गया है।

मेरा यह सौभाग्य रहा है कि मैं हमसफर ट्रस्ट एवं ऐसी संस्थाओं के समान अधिकारों के लिए गए संघषों को साक्षी रही हुँ। मैं अपने मित्रों, भाईयों एवं बहनों की आभारी हुँ जिन्होने लैंगिक अल्पसंख्यक समाज के संर्घषों में मुझे बिना किसी भेदभाव के साथ अपने साथ शामिल किया।

पिछले कई वर्षो से हमसफर ट्रस्ट बोर्ड के सदस्यों के मन में प्रसार माध्यमों के लिए एक मार्गदर्शिका बनाना था। संचार प्रकल्प जिसका हिस्सा यह मार्गदर्शिका है, इंडिया एच.आय.वी./ एड्स अलायंस के पहचान इनोनेशन फंड(GFATM Round-09)की अर्थसहायता से ही सार्थक हो पायी है। मैं इस संदर्भ में सुश्री सोनल

मेहता सुश्री अभिना आहेर एवं श्री यशविंदर सिंह की आभारी हुँ कि उन्होंने हमें ना केवल प्रकाशन सहायता दी बल्कि प्रोत्साहित भी किया।

Glaad Media के श्री सेन एडम ने उनकी मार्गदर्शिका के कुछ हिस्सों को अपनाने की अनुमति दी इसलिए मैं उनकी आभारी हुँ।

'संचार प्रकल्प' के दौरान समुदाय के सदस्यों एवं पत्रकारिता से जुडे हुए व्यक्तियों ने कार्यशाला में उपस्थित होकर अपने मत प्रगट किए। कई विचारों का आदान-प्रदान ई-मेल, पर भी हुआ। मैं इन सब व्यक्तियों की आभारी हुँ। मैं विशेषकर कुछ व्यक्तियों का उल्लेख करना चाहुँगी जिन्होंने इस प्रक्रिया को सुदृढ बनाया ये व्यक्ति हैं- श्री सुहेल अब्बासी श्री श्रीधर रंगायन, श्री नितिन करानी, श्री शिबू थॉमस, श्री मानवेंद्र सिंह गोहिल (लक्ष ट्रस्ट) श्री सिलवेस्टर मर्चेंट (लक्ष ट्रस्ट) एवं श्री ओवाइज खान। मैं इन सब की आभारी हुँ। मैं श्री बिंदू माधव खिरे को विशेष रुप से धन्यवाद देना चाहुँगी कि उनके प्रकल्प में उत्साह एवं उच्च मापदंडो ने मुझे अपने काम को और भी बेहतर बनाने की प्रेरणा दी।

मैं हमसफर ट्रस्ट के श्री. अशोक राव कवि, श्री विवेक राज आनंद एवं. श्री पल्लव पाटनकर की आभारी हुँ। उन्होंने ना केवल मुझे प्रोत्साहित किया बल्कि इस महत्वपूर्ण प्रकल्प की जिम्मेदारी पूरी तरह मुझे सौंपी।

मैं प्रकाशन सबंधित व्यवस्था के लिये सुश्री सोनल ग्यानी का धन्यवाद करती हुँ। मैं अपनी सहकर्मी सुश्री श्रुता मेंगले रावत, सुश्री उर्मी जाधव को इस मार्गदर्शिका पर अपने मत एवं प्रतिक्रिया देकर इसे बेहतर बनाने के लिये दिए गए योगदान के लिये आभारी हुँ। मैं सुश्री दीप्ती शिंदे, श्री अंकुर श्रीवास्तव को उनकी संशोधन में

सहायता, श्री कमलेश गाडे की कवर पृष्ठ की संकल्पना एवं श्री रमेश जगताप का प्रशासकीय एवं अन्य सहायता प्रदान करने के लिये मन:पूर्वक धन्यवाद करती हुँ।

इस प्रकल्प पर काम करते समय मैंने चुनिंदा गाने, महीनो तक बार-बार सुने, मैं आखिर में अपने दोनों बच्चों का धन्यवाद करना चाहुँगी कि उन्होंने उन्हीं गानो को बार-बार बिना किसी ऐतराज के सुना। मुझे उम्मीद है कि यह मार्गदर्शिका सबके लिए उपयोगी रहेगी एवं भविष्य में इस आवृत्ति में और भी सुधार लाकर इसे सुदृढ बनाया जाएगा।

अल्पना डांगे

सलाहकार

अनुवाद कर्ता का मंतव्य

सर्वप्रथम मैं हमारे विकी सर (CEO- हमसफर ट्रस्ट) का आभार मानता हूँ कि उन्होने विश्वास करके यह मार्गदर्शिका मुझे हिन्दी भाषा में अनुवाद करने दी। प्रसार माध्यम मार्गदर्शिका की मूल आवृत्ति अंग्रेजी भाषा में हैं। जिसकी रचना सु.श्री. अल्पना डांगे ने की हैं।

मैनें अंग्रेजी से हिंदी भाषा में अधिकतर अनुवाद था फिर भाषानुसार कुछ अंग्रेजी के शब्दों और परिभाषाओं को हिन्दी में अपनाया हैं। कुछ अंग्रेजी भाषा के शब्दों एवं वैज्ञानिक व्यख्याओं का हिंदी में शब्दश: अनुवाद करना संभव नहीं है, इसलिए कहीं-कहीं पर मैनें अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग किया हैं। आशा करता हुँ, यह मार्गदर्शिका आपके कार्य में मद्द करेगी।

विवेक पाटील

अॅडव्होकेसी ऑफिसर

हमसफर ट्रस्ट

विषय सूची

1. प्रस्तावना ११
2. शब्दकोष एवं व्याख्या १४
3. ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों के बारे में जाने २३
4. दो महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय २८
5. अनुचित शब्द एवं वाक्य प्रयोग ३१
6. जाँच पडताल के मुद्दे ३७
7. दृष्टिकोण का आत्मपरिक्षण ४४
8. संचार एवं पत्रकारिता के नीतिमूल्य ४८

परिशिष्ट

अ) संदर्भ ५१
ब) वेबसाईटस ५३
क) 'काशिश' क्वीयर आंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव. ५४
ड) आधिक जानकारी-पुस्तक, मासिकों, फिल्मों की सूची ५६
इ) संस्थाएँ ६२

प्रस्तावना

प्रसारमाध्यमों में लैंगिक अल्पसंख्यकों के उचित चित्रीकरण और उनसे संबधित योग्य तरिके से प्रस्तुत किए जाएँ इसके लिए की गयी यह कोशिश हैं।

समलैंगिक (गे), उभयलैंगिक (बायसेक्शुअल), तृतीयपंथी (ट्रान्सजेंडर) इस समाज को भारत में लैंगिक अल्पसंख्याक कहते हैं। आज का समाज इस कश्मकश में हैं कि इक्कसवीं सदी में इस समाज / लोगों का साथ दें या विरोध करें। अलग-अलग प्रसादमाध्यमों की सहायता से यह समलैंगिक लोगों के विषय घर घर में पहुँच चुके हैं। हमारे संशोधन में यह दिखा कि माध्यमों की दो प्रकार की सहायता हुई; पहली जो समुदाय बहुत ही गोपनीय पद्धती से अपने जीवन को जीता हैं। एसे समुदाय के सवाल लोगों के सामने प्रस्तुत करने के लिए इन माध्यमों ने सहायता की। दुसरी इस समुदाय में एक नागरिक के तौर पर मिलणेवाले अधिकार संदर्भ के बारे में, यह समाज किस तरह से वंचित हैं, इसके बारे में सविस्तर चर्चा/विचार प्रसारमाध्यमों ने प्रस्तुत किए।

इन दोनों मुद्दो पर लैंगिक अल्पसंख्यको को किस नजरिये से देखा जाती है,उनके विषय की प्रस्तुति किस तरह से की जाती हैं यह अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। अधिकतर लोगों के विचार धर्मिक और सांस्कृतिक मुल्योंपर आधारित होने के बावजूद विविध मतप्रवाह समाज के सामने लाने का काम प्रसारमाध्यम करते हैं। इसलिए प्रसारमाध्यमों की तरफ से लैंगिक अल्पसंख्यक समाज की प्रस्तुति अचूक और योग्य तरिको से हो यह अपेक्षा की जाती हैं।

यह ध्येय साधना आसान नहीं हैं। हमारे संशोधन और संशोधन संबधित कार्यशालाओं में उसमें बार बार यही दिखाई दिया कि इस

विषय के बारे में प्रसारमाध्यमों में काम करनेवाले और विशेषत: प्रादेशिक भाषा में काम करनेवाले पत्रकारो में इस समुदाय एवं लैंगिक अल्पसंख्यकों के संबंधित जानकारी का अभाव हैं।

कई प्रसारमाध्यमों में प्राथमिक व्याख्या के बारे में भी जानकारी का अभाव है और इसलिए गलत शब्दो का प्रयोग किया जाता हैं। स्वाभाविक है कि इस वजह से सामान्य पाठक की उलझन और पुर्वाग्रह ओर भी बढ जाते हैं। ऐसी कई बार गलत,एकतरफा और पुर्वाग्रह पूर्ण समाचारों के कारण लैंगिक अल्पसंख्यकों के लिए काम करनेवाले कई संस्थाओं ने यह सवाल किया हुआ कि हम इन कमजोरियों को दूर करने के लिए क्या कर सकते हैं?

इस सवाल के कई अलग-अलग जवाब मिलें, उसीमें से एक महत्त्वपूर्ण जवाब था'संचार'प्रकल्प.

इस प्रकल्प के कार्य-

- लैंगिक अल्पसंख्याकों से संबंधित खबरों एवं चित्रीकरण का संशोधन करना।
- प्रसारमाध्यमों में काम करनेवाले लोगों के साथ कार्यशाला के रुप में संवाद प्रस्थापित करना,उनकी प्रतिक्रियाँ एवं टिप्पणीयाँ लेना।
- इन सभी जानकारीयों के आधार पर प्रसारमाध्यमों के लिए एक मार्गदर्शिका तैयार करना।

संचार प्रकल्प जिसका हिस्सा यह मार्गदर्शिका है, इंडिया एच.आय.वी./ एड्स अलायंस पहचान इनोवेशन फंड (GFATM Round 9) की अर्थसहायता से ही सार्थक हो पायी हैं।

प्रसारमाध्यमों को लैंगिक अल्पसंख्यको के बारे में योग्य जानकारी मिले जिससे समाचार एवं रिर्पोताज में उचित प्रतिनिधित्व एवं चित्रीकरण हों सके यही इस मार्गदर्शिका का उद्देश्य हैं।

शाब्दकोष एवं व्याख्या

इस भाग की व्याख्याएँ GLAADकी प्रसारमाध्यम मार्गदर्शिका में से ली गई हैं।

(जहाँ पे आवश्यकता हैं वहाँ पे उस व्याख्या में बदलाव किए गए हैं)

- सेक्स: (Sex):सेक्स के दो अर्थ हैं, स्त्री-पुरुष, प्राणी इनका लिंग/जन्म लेने के बाद उस शिशु को शारिरीक लिंग से पहचानते हैं। उदा.: नर/मादा

  दुसरा अर्थ, " सेक्स" मतलब संभोग/ लैंगिक संबंध.

- लैंगिक ता:(Sexuality):किसी व्यक्ति का शारिरीक लिंग, उसका, लैंगिक आकर्षण किसके बारे में हैं। उसका लिंग भाव क्या है? उसकी लैंगिक इच्छाएँ, जरुरतें और व्यवहार क्या है,यह सब लैंगिक ता के अंतर्गत आता हैं।
- लैंगिक ता उन्मुखता/झुकाव (Sexual Orientation):कोई व्यक्ति (स्त्री या पुरुष) किसी लिंग के व्यक्ति (स्त्री या पुरुष या दोनों) दिर्घकाल शारिरीक और भावनात्मक संबंध प्रस्थापित करता हैं तो उसे उस व्यक्ती (स्त्री/पुरुष) का लैंगिक उन्मुखता/झुकाव कहा जाता है। लैंगिक उन्मुखता तीन प्रकार की होती हैं। विषम लैंगिक सिर्फ विरुद्ध लिंग के व्यक्ती (स्त्री या पुरुष)भावनात्मक और शारिरीक आकर्षण, उभय लैंगिक (समान व विरुध्द लिंग दोनों व्यक्तियों के (स्त्री या पुरुष) के बारे में भावनात्मक और शारिरीक आकर्षण)

किशोर अवस्था में हर एक व्यक्ती को एहसास होता हैं कि उसे किस लिंग के व्यक्ति के बारे में लैंगिक आकर्षण हैं। किसी विशिष्ट लिंग के व्यक्ति के साथ लैंगिक संबंध प्रस्थापित करने में ही उस व्यक्ति को उसकी लैंगिक उन्मुखता समझ में आती हैं ऐस जरुरी नहीं हैं। इसका मतलब यह हैं कि किसी के साथ भी लैंगिक संबंध न रखते हुए भी, किशोरवस्था में आने के बाद हर किसी को अपने लैंगिक आकर्षण का अंदाज होता हैं।

- विषमलिंगी : (Heterosexual):जो व्यक्ती (स्त्री या पुरुष) विपरित लिंग के व्यक्ति के साथ दिर्घकाल शारिरीक और भावनात्मक रिश्ता (संबंध) प्रस्थापित करता हैं। उस व्यक्ति को (स्त्री या पुरुष) विषम लिंगी शब्द का प्रयोग होता हैं। अंग्रेजी भाषा में कभी-कभी इस व्यक्ती के बारे में 'स्ट्रेट'इस शब्द का प्रयोग किया गया हैं।
- समलैंगिक : (Homosexual):शब्दकोष में दिया गया समलैंगिक इस शब्द का अर्थ-जो व्यक्ति उसी लिंग के व्यक्ति के प्रति लैंगिक दृष्टि से आकर्षित होता है उसे समलैंगिक कहते हैं।
- गे : (Gay):यहअंग्रेजी शब्द होने के बावजूद हिन्दी भाषा में भी प्रचलित हो गया हैं। जो व्यक्ति समान लिंग के व्यक्ति के साथ दिर्घकाल शारिरीक और भावनिक संबंध प्रस्थापित करता है, उस व्यक्ती को 'गे'(समलैंगिक) इस शब्द का प्रयोग किया जाता हैं। समलैंगिंक स्त्रियों के लिए 'लेस्बियन'इस शब्द का प्रयोग होता है। समलैंगिक व्यक्ति के लिए 'गे'अथवा 'समलैंगिक 'शब्द का प्रयोग किया जाता हैं।

- **लेस्बियन : (Lesbian):यह अंग्रेजी शब्द हैं लेकिन हिन्दी में भी प्रचलित हो गया हैं। जो स्त्री सिर्फ स्त्री के साथ दीर्घकाल शारिरीक और भावनिक संबंध प्रस्थापित करती है उस स्त्री को लेस्बियन कहते हैं। कुछ समलैंगिक स्त्रीया खुद के लिये 'गे' इस शब्द का प्रयोग करती है अथवा समलैंगिंक स्त्री /लेस्बियन स्त्री इसशब्द का भी प्रयोग होता हैं। इन व्यक्तियों के लिए 'होमो' शब्दोंका प्रयोग न करें।**
- **समलैंगिक व्यक्तीयों का डर : (Homophobia):कुछ लोगो में समलैंगिक पुरुष/ स्त्रियोंके बारे में डर होता है और इसी डर की वजह से उनमें, समलैंगिक पुरुष/स्त्रियों के बारे में द्वेष निर्माण होता है। समलैंगिक व्यक्तिओं के प्रति द्वेष,असहिष्णूता और पूर्वाग्रह का प्रतीक है।**
- **क्लोजेट: (Closet):(शब्दकोष:अनुवाद-कोठरी) 'क्लोजेट' को हिंदी में प्रतिशब्द नहीं हैं। 'क्लोजेट' मतलब एक ऐसा व्यक्ति जो खुद के लैंगिक झुकाव के बारे में अथवा लिंगभाग के बारे में किसी को कुछ नहीं बताता, या अपनी लैंगिक ता गोपनीय रखता हैं। अपने बर्ताव से, जीवन पध्दति से वह समाजमान्य दायरे में है (उदा.विषम लैंगिक , विवाहित इ.) यह दर्शाता है कि ऐसे व्यक्ति को 'क्लोजेट'में है ऐसा कहा जाता हैं।**
- **कमिंग आऊट: (Coming Out): (शब्दकोष:अनुवाद-बाहर आना) 'कमिंग आऊट'को हिन्दी में प्रतिशब्द नहीं हैं। 'कमिंग आऊट' यह एक जिंदगीभर का सफर हैं, जहाँ पर कोई व्यक्ति अपनी लैंगिक ता स्विकार करती है, तो इसमें से कोई व्यक्ति अपनी लैंगिकता के बारे में दुसरों को बताता**

हैं। 'कमिंग आऊट' का मतलब यह नहीं हैं कि सभी व्यक्ति अपनी लैंगिक ता सार्वजनिक तौर पर जाहिर करेंगे।

- आऊट (Out): (शब्दकोष:अनुवाद-बाहर) 'आऊट'के लिये हिन्दी में प्रतिशब्द नहीं हैं। जो व्यक्ति अपनी निजी जिन्दगी में अथवा सार्वजनिक जीवन में या व्यवसाय में खुद को गे/लेस्बियन/बायसेक्शुअल अथवा ट्रान्सजेंडर कहता हैं, उस व्यक्ति को हम 'आऊट' कहते हैं। उदा: अशोक राव कवि (भारत के पहले गे कार्यकर्ता)'आऊट'हैं। क्योंकि सार्वजनिक पद्धती में वह खुद को गे हैं, यह मानते हैं।
- ड्रॅग क्वीन (Drag Queen): जो समलैंगिक पुरुष दुसरों पुरुषों को आकर्षित करने के लिए स्त्रियों के पोशाख पहनते हैं, उस पुरुष को 'ड्रॅग क्विन' कहते हैं।
- उभय लिंगी व्यक्ती (Bisexual): जो व्यक्ति पुरुष एव स्त्री दोनों के साथ दिर्घकाल शारिरीक अथवा भावनात्मक संबंध प्रस्थापित करता है, उस व्यक्ति को उभय लैंगिक कहा जाता हैं। उभयलैंगिक व्यक्ति, स्त्री और पुरुष दोनो का आकर्षण अपनी जिंदगी में अनुभव करते है। इस आकर्षण की तीवता में बदलाव हो सकता हो सकता हैं। दोनों लिंग के व्यक्तियों के साथ लैंगिक संबंध करने से ही वह व्यक्ति उभय लैंगिक है ऐसा नही किसी के साथ भी लैगिंक संबंध न रखते हुह भी उभयलैंगिक व्यक्ति को पुरुष या स्त्री के बारे में लैंगिक और भावनिक आकर्षण हो सकता है।
- उभय लैंगिक व्यक्ती का डर (Biphobia):बहुत बार ऐसा देखा गया है कि, उभयलैंगिक व्यक्तियों के बारे में लगनेवाला डर यह इस समाज के बारे मै प्रचलित गलतफहमियों से और इस शब्द से जुडे हुए समाजमान्य

व्यवहार जुडा होता है। उदा: एक से ज्यादा जोडीदार का होना,यौन संसर्ग रोग/ एच.आय.वी.का प्रसार इत्यादी

- जेंडर(Gender): 'जेंडर' यह शब्द पुरुष अथवा स्त्री का गुणवैशिष्ट्य दर्शाता हैं। उस व्यक्ती ने अपनायी हुई सामाजिक भूमिका या बर्ताव दर्शाता है।
- ट्रान्सवेस्टाईट (Transvestite):जिन पुरुषों को औरतों के पोशाख पहनना अच्छा लगता है, जिनका लिंगभाव पुरुष का होता है, और लैंगिक उन्मुखता अधिकांश विषम लैंगिक होती है उनको 'ट्रान्सवेस्टाईट' कहते हैं। 'ट्रान्सवेस्टाईट' को हिन्दी में प्रतिशब्द नहीं है इसलिए इसी शब्द का प्रयोग हिंन्दी में करें।
- जेंडर डिसफोरिया (Gender Dyspheria): यह शब्द जिस तरह से है उसी तरह से हिंन्दी में प्रयोग करे, क्योंकि, उसका प्रतिशब्द हिंन्दी में नही हैं। जिस व्यक्ति का शारिरीक लिंग और उसका लिंगभाव एकदूसरे से मिलता नहीं हैं। (अर्थात जो व्यक्ति शरीर से पुरुष है लेकिन उसकी उन्मुखता स्त्री की है / जो व्यक्ती शरीर से स्त्री है लेकिन उसकी उन्मुखता पुरुष की है) उस स्थिति को मानसोपचर तज्ञ'जेंडर डिसफोरिया' कहते हैं। विविध तरह से जेंडर डिसफेरिया व्यक्त होता हैं। उदाहरण: अपने शारिरीक लिंग की अपेक्षा दुसरे लिंग की तरह खुद को प्रस्तुत करना / खुद को दूसरे लिंग का समझना, शारिरीक लिंग के लक्षण बदलना / मिटाना।
- ट्रान्सजेंडर, ट्रान्ससेक्शुअल:
  इस संदर्भ में, ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों के बारे में जाने। इस खंड को पढे।
- इंटरसेक्स (Intersex) द्विलिंगी:

गुणसुत्र/गोनाइस/बाहय जननेद्रियों के कारण/ आंतरिक जननेद्रियों की विविधता के कारण उस व्यक्ति का लिंग निश्चित रुप से पुरुष या स्त्री का है, यह निर्धारित करना मुश्किल होता है,ऐसे व्यक्ति को इंटरसेक्स कहते हैं। अंग्रेजी में इसे 'हरमॅफ्रोडाईट' इस शब्द का प्रयोग किया जाता था। अभी इस शब्द का प्रयोगक्रम प्रचलित हैं। 'इंटरसेक्स' के लिए हिंन्दी में 'द्विलिंगी' शब्द का प्रयोग किया जाता हैं।

- एम.एस.एम.(MSM-Men Who have Sex with Men)
  एम.एस.एम. मतलब मेन हु हॅव सेक्स विथ मेन (पुरुषों के साथ लैंगिक संबध रखनेवाले पुरुष) जो पुरुष खुदको गे अथवा उभयलैंगिक मानते नहीं लेकिन वह पुरुषों के साथ समलैंगिक संबंध रखते हैं, उनको एम.एस.एम. कहा जाता हैं। साधरण रुप से वैद्यकिय एच.आय.वी./लैंगिक संसर्गजन्य बिमारीओं के संदर्भ में एस.एम.एस. इस शब्द का प्रयोग किया जाता हैं।

- एल.जी.बी.टी./ जी.एल.बी.टी.(LGBT/GLBT):
  लेस्बियन, गे, बायसेक्शुअल और ट्रान्सजेंडर इनका अंग्रेजी में संक्षिप्त रुप एल.जी.बी.टी.(LGBT)लैंगिक अल्पसंख्यक समाज की विविधता को एकजूट पदधति से दर्शाने के लिए एलजीबीटी अथवा जीएलबीटी यह संक्षिप्त रुप का प्रयोग किया जाता हैं। अगर समाचार में आप संक्षिप्त रुप का प्रयोग करनेवाले है, तो उसका मतलब पाठक को जरुर बताएँ।

- क्विअर (Queer):
  पहले (और आज भी कई देशो में) इस अंग्रेजी का शब्द घृणास्पद सूर में प्रयोग किया जाता रहा हैं। एलजीबीटी

समुदाय के कुछ लोग क्विअर शब्द का प्रयोग अभिमान प्रगट करने के लिए करते हैं। लेकिन इस शब्द का प्रयोग करने के संदर्भ में इस समुदाय में मतभेद हैं। इसलिंए इस शब्द का प्रयोग ना करें। इसके लिए एक अपवाद भी है- अगर कोई व्यक्ति खुद को क्विअर मानता हैं अथवा इस शब्द का प्रयोग करता हैं तो इस शब्द का प्रयोग आप इनके संदर्भ में कह सकते हैं। क्विअर (एलजीबीटीक्यू)में 'क्यू'के दो अर्थ निकलते हैं अर्थात ऐसा व्यक्ति जो समाज के विषमलैंगिक स्त्री-पुरुष की श्रेणी में नही आता/दुसरा अर्थ है कि जो व्यक्ति खुद की लैंगिक ता को खोज/निर्धारित कर रहा हैं, या खुदकी लैंगिक ता के बारे में स्वयं के प्रश्नों से जुझ रहा हैं।

- अभिमान पदयात्रा (Pride Walk/ March):
  सारि दुनिया में और भारत मैं लैंगिक अल्पसंख्यक समाज हर साल अभिमान पदयात्रा निकालते हैं। अपने अस्तित्व और अधिकारों का दुसरों का अहसास कराना, अपनी लैंगिक ता को बिनाशर्मिदगी के सिर उठाकर अभिमान के साथ लोगों के सामने जाहिर करना, यह इस शांतीपूर्ण पदयात्रा का उद्दीष्टच हैं। ऐसी पदयात्रा में लोग रंगबिरंगी पोशाख पहनते हैं। जो अपनी पहचान जाहिर नहीं करना चाहते हैं वह विविध तरह के मुखौटे पहनते हैं। इस पदयात्रा में इंद्रधनुष्यी रंग का झंडा लहराया जाता हैं। यह रंगबिरंगा झंडा विविध प्रकार की लैंगिक ता का प्रतिक माना जाता हैं।

- इंद्रधनुष्य ध्वज(Rainbow Flag):
  यह इंद्रधनुष्य ध्वज, लैंगिक अल्पसंख्याक समुदायों का प्रतिक हैं। विविध रंग होने के कारण वह बहुत बार

एलजीबीटी लैंगिक ता की विविधता को दर्शानेवाला समझा जाता हैं। १९७० के दशक में इस ध्वज का प्रयोग होने लगा। इस रंग का शांती को प्रतिक के तौर पर प्रयोग किया जाता हैं।

- द डायग्नोस्टिक ॲड स्टॅटिस्टिकल मॅन्युअल ऑफ डिसऑर्डर्स(DSM)

  समलैंगिक ता मानसिक बीमारी नहीं हैं।

  अमेरिका में अमेरिकन सायक्विॲट्रिक असोसिएशन (APA and DSM): मॅन्युअल प्रकाशित करती हैं। इसमें विविध मानसिक रोगों और अवस्थाओं का वर्गीकरण किया गया हैं। पूरे विश्व में मानसिक रोगों और अवस्थाओं को संगठित मापदंड स्थापित करने के लिए इस मॅन्युअल को प्रस्थापित किया गया हैं।मानसोपचारतज्ञ, डॉक्टर, संशोधक बीमारी पर दवाईयों पर नियंत्रण रखनेवाले सरकारी/असरकारी संस्थाएँ, आरोग्य विमा, दवाईयाँ बनानेवाले उद्योगसमूह, कानून-व्यवस्था और स्वास्थ या कानूनी विभाग इस मॅन्युअल का प्रयोग करतें हैं। इस मॅन्युअल के साथ वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनायझेशन (WHO) के इंटरनॅशनल स्टॅटिस्टिकल क्लासिफिकेशन ऑफ डिसीजेस ॲण्ड रिलेटेड हेल्थ प्रॉब्लेम्म (ICD) इस किताबा का भी आधार लिया जाता हैं। १८ मई २०१३ के DSM की पाँचवी आवृत्ति जारी की गयी। समलैंगिक ता मानसिक रोगों के वर्गीकरण श्रेणी से निकलना चाहिए, ऐसी मॉग १९७० के दशक के दौरान होने लगी। उसके बाद समलैंगिक ता को मानसिक बीमारी के वर्गीकरण से निकाला गया। अंतत: सन १८८७ में DSM

III-Rकी आवृत्ति में समलैंगिक ता को मानसिक बीमारियों की श्रेणी से हमेशा के लिए निकाल दिया गया।

- द इंटरनॅशनल स्टॅटिस्टिकल क्लासिफिकेशन ऑफ डिसीजेस ॲन्ड रिलेटेड हेल्थ प्रॉबलेम्स (**ICD**):

  विश्व में रोगों की एक और मापक का किताब का प्रयोग किया जाता हैं। इसे ICD कहते हैं जो विश्वस्वास्थ्य संगठन द्वारा मानित हैं। विश्व सास्थ संगठनके ICD और DSM में महत्त्वपुर्ण अंतर यह है कि DSM केवल रोगों एव अवस्था पर केद्रिंत हैं ।

  और ICD सभी (मानसिक और शारिरीक) रोगों पर केंद्रित हैं । अमेरिका में DSM प्रयोग होता है तो युरोप तथा दुसरे राष्ट्रो में ICDका प्रयोग किया जाता हैं। सन १९९२ में विश्वस्वास्थ संगठन ने समलैंगिक ता को मानसिक बीमारीयों के वर्गीकरण से बाहर निकाल दिया।

- इंडियन सायक्विॲट्रिक सोसायटी:
  सन२०१४ की शुरुवात में इंडियन सायक्विॲट्रिक सोसायटी ने समलैगिकता मानसिक बीमारी नही हैं, यह घोषित किया।

ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों के बारे में जानकारी।

- **ट्रान्सजेंडर (Transgender):**
  जो व्यक्ति जन्म से जो व्यक्ति जन्म से पुरुष है और जिनकी लैंगिक उन्मुखता स्त्री की है, उसको'ट्रान्सजेंडर' कहते हैं। इसका मतलब ऐसे व्यक्ति जिनका शारिरीक लिंग और उसका / उनकी लैंगिक उन्मुखता एकदूसरे जुडती नहीं है। (अलग-अलग होता है) उनको ट्रान्सजेंडर कहा जाता हैं। जो व्यक्ति जन्म से स्त्री हैं और जिसकी लैगिक उन्मखता पुरुष की है, उसे 'ट्रान्सवुमन' कहते हैं। जो व्यक्ति जन्म से स्त्री है और जिसकी लैंगिक उन्मुखता पुरुष की है उस स्त्री को 'ट्रान्समॅन' कहते हैं।
- **थर्ड जेंडर/ तृतीयपंथी (Third Gender):**
  जो व्यक्ति जन्म से पुरुष है और जिनकी लैंगिक उन्मुखता स्त्री की है (मेल टु फिमेल ट्रान्सजेंडर) उस व्यक्ति के लिये मराठी/ हिंन्दी में तृतीयपंथी शब्द का प्रयोग करते हैं। कुछ मेल टु फिमेल ट्रान्सजेंडर, कुछ फिमेल टु मेल ट्रान्सजेंडर और कुछ इंटरसेक्स व्यक्ति हम पुरुष भी नहीं और स्त्री भी नहीं ऐसा मानते हैं। वह थर्ड जेन्डर यह शब्द का प्रयोग करते हैं। भारत में थर्ड जेन्डर (तृतीयपंथी) इस लिंग नाम को सुप्रीम कोर्ट ने कानुनी मान्यता दी हैं।
- **लिंगबदल प्रक्रिया (Transition):**
  जब कोई ट्रान्सजेंडर व्यक्ति दवाईयों/शस्त्र क्रिया के द्वारा शारिरीक बदलाव करके पुरष से स्त्री अथवा स्त्री से पुरुष बनने का तय करता है, तो उस कालावधि को 'ट्रान्झिशन'प्रक्रिया को लिंग बदल की प्रक्रिया कहते हैं।
- **ट्रान्ससेक्शुअल (Transexual):**

जो ट्रान्सजेंडर व्यक्ति दवाईयों या शस्त्रक्रिया के द्ववारा लिंग में बदलाव करते है या जिसमें लिंग बदल की प्रकीया चालू होती हैं । या फिर इस प्रक्रिया को शुरु करने वाला है, ऐसे व्यक्ति को ट्रान्ससेक्शुअल कहते हैं। 'ट्रान्स सेक्शुअल' को हिंदी में प्रतिशब्द नहीं है इसलिए इसी शब्द का प्रयोग हिंन्दी में करें।

- हिजडा समुदाय: हिजडा समुदाय यह जन्म से पुरुष और लैंगिक उन्मुखता से स्त्री (मेल टु फिमेल ट्रान्सजेंडर) इन व्यक्तियों का समुदाय होता हैं। हिजडा समाज में अलग-अलग घराने होते हैं। हर एक घर में चेला/चेले और उनके गुरु होते हैं। जिस व्यक्तिकों हिजडा समुदाय में प्रवेश लेना होता है उसको, किसी हिजडा घराणेकी गुरू के पास जाके रीत गंडाबंधवाकर उस गुरु का चेला बनना पडता हैं।

  विविध प्रांतो में हिजडा शब्द को विविध पर्यायवाची हैं । महाराष्ट्र में 'हिजडा' शब्द का प्रयोग किया जाता है। हिंन्दी में 'किन्नर' शब्द का प्रयोग किया जाता है और तामिलनाडू में आरवाणी इस शब्द का प्रयोग होता हैं। हिजडा समाज के व्यक्ति घरघर जाकर पैसा मांगना (मंगती करना), शादी में नाच-गाना(बधाई),नवजात शिशु को आशीर्वाद देकर पैसे कमाते हैं। यह उनकी आजीविका का साधन भी हैं। वह उनके परंपरा का एक हिस्सा हैं। कुछ वेश्याव्यक्ति भी करते हैं, हॉलाकि सभी ऐसा करें यह जरुरी नही हैं। थोडे हिजडा समुदाय के सद्स्य नोकरी अथवा सामाजिक संस्था में काम करते हैं। जोर जबरदस्ती से लोगों के पास से पैसे लेना (उदा.बाग में, लोकल में, रास्तों पर,दुकान में इत्यादि) चोरी लुटमार करना यह इस परंपरा का हिस्सा नहीं हैं। ऐसे

व्यवहार को किसी भी हिजडा परंपरा का आधार और मान्यता प्राप्त नहीं हैं।

ट्रान्सजेंडर और हिजडा समुदाय इनका फर्क

ट्रान्सजेंडर	हिजडा
१.ट्रान्सजेंडर यह अंग्रेजी भाषा का शब्द हैं।	१. हिजडा यह सांस्कृतिक शब्द हैं।
२. ट्रान्सजेंडर दो प्रकार के होते हैं। ग) पुरुष से स्त्री (ट्रान्सविमेन) गग)स्त्री से पुरुष (ट्रान्समेन)	२.हिजडा समुदाय पुरुष से स्त्री बने (ट्रान्सविमेन) व्यक्तियों का होता हैं।
३. जरुरी नही है कि पुरुष से स्त्री बने ट्रान्सजेंडर (ट्रान्सविमेन)हिजडा समाज में रित लें। इसका अर्थ यह हैं सभी पुरुष से स्त्री बने ट्रान्सजेंडर हिजडा समुदाय का हिस्सा नही होते हैं।	३. हिजडा समुदाय में से सभी व्यक्ति मेल टु फिमेल ट्रान्सजेंडर (ट्रान्सविमेन) होते हैं।
४. ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों के लिए किसी भी तरह की सांस्कृतिक परंपराओं का पालन आवश्यक नहीं हैं।	४. हिजडा समुदाय उनसे संबंधित ऐतिहासिक, सांकृतिक एवं व्यावसायिक परंपराओं एवं रीतिरिवाजों को मानते हैं तथा उनका पालन करते हैं।

दो महत्त्वपुर्ण कानूनी निर्णय भारतीय दंडविधान संहिता धारा ३७७

- **भारतीय दंडविधान संहिता (भा.दं.सं.) धारा ३७७, नाझ फाऊंडेशन (इंडिया) ट्रस्ट की जनहित याचिका** (Govt. of NCT of Delhi and Ors (160 DLT 277 (2009 Delhi High Court)**भा.दं.सं.धारा ३७७, सन १८६०को अस्तित्व में आया। इस धारा के अंर्तगत जिस संभोग से प्रजनन नही होता (उदा. लिंग-मुखमैथुन,लिंग-गुदमैथुन) ऐसा संभोग करनेवालों को १० साल तक सजाका प्रावधान है।**

इस धारा के लागू होने के लिए लिंगप्रवेश होना (Penetration)**आवश्यक हैं। (उदा.लिंग –गुदा मैथुन और लिंग-मुखमैथुन पर लागू होती है। यह धारा दो स्त्रियों के बीच के लैंगिक संबंध पर लागू नहीं होता।**

सन २००१ में नाझ फाऊंडेशन (इंडिया) ट्रस्ट ने (यह दिल्ली की एक सामाजिक संस्था है, जो समलैंगिक और तृतीयपंथी लोंगो मे एच.आय.वी.मे रोकथाम के लिए कार्यकरती हैं। दिल्ली हायकोर्ट में एक जनहित याचिका दायर करके धारा ३७७ यह असंवैधानिक हैं ऐसा दावा किया नाझ संस्था के अनुसार धारा

२१ में निहित होनेवाले स्वास्थ एवं निजी निहित अधिकारों की रक्षा का अधिकार, धारा १४ और १५ में निहित अधिकारों की रक्षा और समाज अवसरों के अधिकार, धारा १९ में निहित विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता इन सभी अधिकारों का उल्लघन धारा ३७७ करती हैं। २ जुलाई २००९ में दिल्ली हायकोर्टने भा.दं.सं.धारा ३७७ में से जो

हिस्सा, वयस्को की सहमति से, निजी गुप्तता सें किए गए समलैंगिक संबंध को अपराधिक करार देता हैं। उस हिस्से को असंवैधानिक घोषित किया / धारा ३७७ का वह हिस्सा जो बिना सहमति/जोर जबरदस्ती से स्थापित किए गए संबंध को अपराधिक करार देता है, इसके साथ ही जो छोटे बच्चे/बच्चियों के साथ लैंगिक संबंध रखता हैं उसे अपराधिक करार देता हैं। उन हिस्सों को वैसाही रखा। इस निर्णय के खिलाफ कुछ धर्मिक,रुढिवादि एवं दलों ने सुप्रीम कोर्टमें अपील की।

११ डिसेंबर २०१३ को सुप्रीम कोर्ट का परिणाम आनेतक, दिल्ली हायकोर्ट का निर्णय प्रभावी था।

- सुरेश कुमार कौशल इनकी अपील.

  Sureshkumar Kauoshal & Other V/S Naz Foundation (India)

  सन २००९में सुरेश कुमार कौशल जो व्यवसाय से ज्योतिषी हैं, इन्होंने दिल्ली के ३७७ निर्णय के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की । कौशल मुळ केसमें (दिल्ली के केस में) सहभागी नही थे। इसके बाद १४ विविध दलो ने दिल्ली में धारा ३७७ के निर्णय के खिलाफ अपील दायर की। इसमें से अधिकतर सभी धार्मिक दल थे।

  भारत सरकारने दिल्ली हायकोर्ट के इस निर्णय के विरुध्द कोई अपील नहीं की। भारत सरकाने सुप्रीम कोर्ट से कहा की दिल्ली हायकोर्ट के निर्णय में कोई कोई कानूनी गलती नहीं हैं। फेब्रुवारी व मार्च २०१२ में उच्चतम न्यायाधीश जी.एस.सिंगवी और सरन्यायाधीश एस.जे.मुख्योपाध्याय इनके सामने इस मामले की सुनवाईहुई।

११ डिसेंबर २०१३ को सुप्रीम कोर्टने दिल्ली हायकोर्ट का भा.दं.सं. ३७७ का निर्णय पलट दिया।यह धारा विशिष्ट लैंगिकता कि समुह को ही (समलैंगिक ,तृतीयपंथी) लागू नहीं होता, तो सभी व्यक्तियो पर लागू होती है। इसका अर्थहै कि लैंगिक उन्मुखता अथवा लैंगिकता कोई भी हो (उदा: समलैंगिक ,तृतीयपंथी) वह अपराध नहीं हैं, लेकिन धारा ३७७, उनके लैंगिक संबंधो को अपराधीक करार देती हैं।

- ट्रान्सजेंडर /तृतीयपंथी अधिकार संदर्भ में निर्णय।

National Legal Senioes Authority U/S Union of Indor & Other (Writ petition (Civil) No 400 of 2012 (Nalsa)

१५ एप्रिल २०१४ के सुप्रिम कोर्ट के न्यायाधीश के.एम.राधाकृष्ण व ए.के.सि.कि इन्होंने निर्णय दिया कि संविधान में निहित सिकरी अधिकार और स्वातंत्र्य ट्रान्सजेंडर को भी लागू होती हैं। समाज में सिर्फ स्त्री और पुरुष इन सिर्फ दो ही लैंगिक ता का आस्तित्व नहीं है बल्कि तिसरे प्रकार की लैंगिक ता अर्थात थर्ड जेंडर/तृतीयपंथी इस लैंगिक ता को भी कानून मान्यता देता हैं। इस समाज के अस्तित्व को नकारा नहीं जाएगा। नॅशनल लिगल सर्विसेस अॅथॉरिटी ने यह याचिका, सितम्बर २०१२ को सर्वोच्च न्यायालय में दायर की/ इस याचिका के मुख्य मुद्दे यह थे कि ट्रान्सजेंडर/तृतीयपंथीयों को औरों की तरह समाज में समान अधिकार प्राप्त हों। कानूनी संरक्षण प्राप्त हों, विविध आधिकारिक एवं कानूनी दस्तावेजों पर उनको उनका लिंग 'थर्ड जेंडर' के तौर पर व्यक्त करते आना चाहिए। (उदा.मतदान पहचान पत्र, पासपोर्ट, वाहनचालक लायसन्स, राशनकार्ड इत्यादि) इसके अलावा उनको विविध प्रकार

की शिक्षा में सहुलियत, अस्पताल में प्रवेश एवं उचित इलाज मिलना चाहिए/ इस याचिका को दायर होने के बाद लॉयर्स कलेक्टिव्ह ने लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी जो हिजडा/ट्रान्सजेंडर कार्यकर्ता हैं उनका 'इंटरव्हेशन' दायर किया और पक्ष रखा कि हर एक तृतीयपंथी को हम स्त्री के तौर पर पहचाना जाएँ कि तृतीयपंथीय के तौर पर पहचान जाएँ यह तय करने का अधिकार होना चाहिए।

(NALSA)को निर्णय दो महत्तवपूर्ण मुद्दे प्रस्तुत करता हैं- स्वतंत्रता और समानता/ कोर्ट ने निर्णय दिया कि धारा २१ के अंतर्गत हर किसी को खुद के जीवन जीने की पध्दती चुनने और उसे जीने का अधिकार हैं, और यह निर्णय उनका उन्हीं को लेना हैं। ट्रान्सजेंडर व्यक्ति दवाईयों के द्वारा परिवर्तन या शस्त्रक्रिया करें या न करें, हरएक को उनके उनके लैंगिक उन्मुखता के अनुसार उनकी लैंगिक अभिव्यक्ति तय करने का अधिकार हैं। पुरुष, स्त्री अथवा थर्ड जेंडर/तृतीयपंथी, न्यायालय के कलम (१९)(अ) नूसार भारतीय नागरिकोंके लैंगिक ता चुनने की स्वतंत्रता को अबाधित रखा जो वेशाभूषा का बंधन होता है वैसा बंधन ट्रान्सजेंडर/तृतीयपंथी यों के उपर लागू नहीं किया जा सकता हैं, यह भी निर्णय दिया । न्यायालय ने यह स्पष्ट किया कि लैंगिक उन्मुखता एवं अभिव्यक्ति के आधार पर सभी को कानून के तहत समान आधार एवं संरक्षण प्राप्त होना चाहिए। इस निर्णय के दौरान न्यायालय ने धारा १५ और १६ में 'सेक्स' इस शब्द का अर्थ सिर्फ शारिरीक लिंग ऐसे न लगाते हुए, उसका विस्तारित अर्थ लगाया औंर उसमें लैंगिक अभिव्यक्ति भी आती है ऐसे बताया।व्यक्ति की

लैंगिक उन्मुखता कैसीभी हो, उसका आधार लेकर किसी के साथ भी भेदभाव नहीं होना चाहिये यह सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया।

अनुचित शब्द एवं वाक्य प्रयोग

निचे दिए गए शब्दों का प्रयोग ना करें

- **पर्यायी लैंगिकता (Alternative Sexuality):पर्यायी इसका अर्थ अनेक विकल्प होता है और कोई पर्याय अपनाने का स्वतंत्रता लोगों को है ऐसा अनुमान होता है। एलजीबीटी समुदाय के बारे में 'पर्यायी लैंगिक ता' ऐसा उल्लेख ना करें, क्योंकि लोग लैंगिक ता जानबूझके नहीं स्वीकारते, वह नैसर्गीक रुप से उन्हे प्राप्त हुई है।**
- **छक्का(Eunuch):इतिहास मे पहले किशोरावस्था में आने से पहले कुछ छोटे बच्चों को बधिया किया (बच्चोंका वृषण निकाल देते थे)जाता था। ऐसे बच्चों के लिये अंग्रेजी शब्द 'युनक' का प्रयोग करते थे।ऐसे व्यक्ति राजदरबार में रानीयों के महल में काम करते थे। छक्का और अंग्रेजी का युनक यह शब्द हिजडा और ट्रान्सजेंडर व्यक्तियों के लिए उपहासात्मक दृष्टीकोन से प्रयोग किया जाता हैं। इन शब्दों का कभी भी प्रयोग ना करें।**
- **हरमॅफ्रोडाइट(Hermophrodite):गुणसुत्र, गोनाड्स, बाह्य जननेद्रींय / आंतरिक जननेद्रिंय विविधता के कारण जिस व्यक्ति का लिंग निश्चित रुप से पुरुष का है कि स्त्री का यह समझना मुश्किल होता है, उस व्यक्ति को 'इंटरसेक्स' कहते हैं। पहले अंग्रेजी में इनको 'हरमॅफ्रोडाईट' यह शब्द का प्रयोग किया जाता था। यह शब्द अपमानस्पद है इसलिए उसका प्रयोग ना करें। ऐसे व्यक्तियों के लिए अंग्रेजी में 'इंटरसेक्स' अथवा 'द्विलिंग' शब्द का प्रयोग करें।**
- **होमोसेक्शुअल(Homosexual):**

हिंदी में समलैंगिक (पुरुष/महिला/स्त्री) शब्द का प्रयोग करें तो अधिक हैं। लेकिन अंग्रेजी इस शब्द के लिए शब्द 'होमोसेक्शुअल', का प्रयोग ना करें। हिन्दी में गे पुरुष लेस्बियन महिला / स्त्री इस शब्द का प्रयोग भी कर सकते हैं।

- होमो(Homo):गे शब्द के बजाय कुछ लोग 'होमो' इस शब्द का प्रयोग करते हैं। उदा. समलैंगिक रिश्ता रखनेवाली जोडी को होमो कपल/होमो जोडी, अथवा होमोसेक्स करनेवाले इन शब्दों का प्रयोग करते हैं। होमो यह शब्द द्वेष व्यक्त करने के लिए अथवा मजाक के लिए इस्तेमाल किया जाता है इसलिए होमो इस शब्द का प्रयोग कभी ना करें।

  होमोसेक्स/होमोसेक्सुअल सेक्स/ गे सेक्स ऐसे शब्दों का प्रयोग ना करते हुए समलैंगिक संबंध/समलैंगिक व्यवहार/समलैंगिक प्रेम इन शब्दों का प्रयोग करें।

- समलैंगिक लक्षण:समलैंगिता यह लैंगिक ता का प्रकार है, वह किसी भी बीमारी का लक्षण नहीं है, जिसका इलाज किया जा सकता है। समलैंगिक लक्षण इस शब्द का प्रयोग ना करें, उदा. उसमें समलैंगिक होने के लक्षण थे ऐसा प्रयोग ना करें।
- समलैंगिक बनना/समलैंगिक बनाना:कोई भी अपनी मर्जी से अथवा जबरदस्ती से समलैंगिक नहीं बन सकता/ इसलिए समलैंगिक बनना/ समलैंगिक बनाना इस शब्द का प्रयोग ना करें।
- समलैंगिक सबंध की आदत लगना/व्यसन होना :समलैंगिक संबंध या तो किसी की स्वाभाविक लैंगिक इच्छा है कोई

शराब/नशा का व्यसन नहीं है कि जिसकी आदत लोगोंको लगती हैं अथवा इसका व्यसन हो जाता है। इसलिए समलैंगिक संबंध की आदत लगना/ व्यसन लगना इन शब्दों का प्रयोग ना करें।

- इस लाइन में होना :कई बार समलैंगिक संबंध रखनेवाले व्यक्तियों को 'तू इस लाईन मे कबसे है'? ऐसा प्रश्न पुछा जाता है, समलैंगिक होना/ अथवा समलैंगिक संबंध प्रस्थापित करना यह व्यवसाय अथवा नोकरी का भाग नहीं है इसलिए इस शब्द का प्रयोग करना गलत हैं।
- एलजीबीटीहोने की कबुली देना/ मान्य करना- कबुली देना / मान्य करना इनका स्वर नकारात्मक-गुनाह कबुल किया है ऐसा लगता है। उदा. उसने एलजीबीटी समुदाय होने का /होने की कबुली दी/ मान्य किया ऐसी वाक्यशैली का प्रयोग ना करें।
- उसका /उसकी/उनके:बहुत बार समाचार पत्र में एलजीबीटी समाज को उसका/उसकी/उसके ऐसे शब्दों से संबोधित किया जाता है। उदा. उनकी व्यथाएँ। इस शब्द प्रयोग के कारण यह समाज भिन्न एवं पराया अथवा दुर्जन है यह भावना निर्माण होती है, इसलिए वाक्यशैली प्रयोग ना करें। यही उदाहरण लिया जाए तो वाक्य इस तरह से होगा'तृतीयपंथीयोंकी व्यथाएँ।'
- आऊट करना (To Out):किसी व्यक्ति को आऊट करना मतलब उस व्यक्ति की सहमति न होते हुए भी वह व्यक्ति समलैंगिक / ट्रान्सजेंडर/ इंटरसेक्स है, यह सार्वजनिकरुप से जाहिर करना। कई बार अफवाह के आधार पर सार्वजनिक रुप से ऐसा आऊटिंग किया जाता है। इस तरह

से किसी को आऊट ना करें, कारण (१)वह व्यक्ति निश्चितरुप से उसी लैंगिक ता का है या नहीं अनिश्चित हो सकता है और (२) कुछ व्यक्तियों के परिवार वालोंको मालुम होता है, लेकिन यह बात प्रसार माध्यमों के द्वारा जगजाहिर हो, यह इच्छा नहीं हो (३) यह उस व्यक्ति के अधिकारों का हनन है ।

- जीवन पध्दती(Lifestyle):समाचारोमें में कई बार जीवनपध्दती/शैली(Lifestyle) इस शब्द का प्रयोग किया जाता है। कई बार उसका प्रयोग योग्य होता है। लेकिन कई बार वह गलत तरिके से किया जाता हैं। उदा. विषमलिंगी जीवनपध्दति और समलैंगिक जीवनपध्दति यह पूरी तरह से अलग है ऐसा दर्शाया जाता हैं। विषमलिंगी जीवनपध्दती मतलब विवाह करना, बच्चे होना इत्यादि मुद्दे प्रस्तृत किए जाते हैं। लेकिन समलैंगिक जीवनपद्धती मतलब अकेला रहना, औरतों की तरह बर्ताव करना, अनेक जोडीदार का होना ऐसे पहलू दिखाए जाते हैं, इसलिए समलैंगिक जीवनपध्दती कम दर्जेकी / अपूर्ण हैं और वह विषमलिंगी जीवनपध्दती से बहुत ही अलग है यह अपेक्षित करना गलत है और गलत मत बनाने वाली है। इसलिए इस शब्द का प्रयोग सावधानी से करें।
- लैंगिक पसंद / चुनाव (Choice/Preference):कई बार लैंगिक पसंद/ प्राथमिकता इन शब्दो का प्रयोग किया जाता हैं (उदा. उसने समलैंगिक जीवन पध्दति चुनी) अथवा उसे समलैंगिक संबंध पसंद है) लैंगिक उन्मुखता यह पसंद कर चुनीनही जाता है। चुनना / चुनाव पहलु है । इसलिए पसंद इन शब्दोंका प्रयोग ना करें।

- लिंग बदलने की शास्त्रक्रिया: लिंग बदलने की प्रक्रिया यह बहुत बडी और जटिल प्रक्रिया है। उसमें परामर्श , दवाईयाँ और शास्त्रक्रिया का समावेश होता है। इस प्रक्रिया को पूरी होने का कालावधी बहुत लंबा हैं, इसलिए लिंग बदल की शास्त्रक्रिया यह शब्द प्रयोग करने के बजाय, लिंग बदलनेकी प्रक्रिया यह वाक्यशैली ज्यादा योग्य है।
- गुदमैथुन के संदर्भ के कायदे (कानून)(सोडोमी लॉ)कुछ राष्ट्रों के कानून में कुछ तरह के लैंगिक कृत्य अपराधिक समझे जाते हैं। कई सालों से इस प्रकार के कानून का उपयोग गे समाज के लोगों को सजा देने / या पीडित करने के लिए किया गया हैं। यह कानून भारत में भा.दं.सं. धारा ३७७ के स्वरुप में है। समलैंगिक रिश्ता दिखाने के लिए अथवा लैंगिक ता का वर्णन के लिए प्रसार माध्यमों में 'सोडोमी' इस शब्द का प्रयोग कभी भी ना करें।
- ट्रान्सजेंडर / तृतीयपंथी इनके लिए कौनसे शब्दों का प्रयोग करें ?

  तृतीयपंथी व्यक्ति अथवा ट्रान्सजेंडर समाज अथवा तृतीयपंथी समाज व्यक्ति को कौनसे लिंग से संबोधित करें?आपकी मुलाकात / या खबर में जिस ट्रान्सजेंडर व्यक्ति की राय ली गयी है, उसको पूँछे, कि उसे कैसे पुल्लिंग या स्त्रिलिंग संबोधित किया जाए? उदा. १) कोई स्त्री से पुरुष ट्रान्सजेंडर कहेगा, की उसको आप पुल्लिंग से संबोधित करें। २) कोई हिजडा व्यक्ति स्त्रीवेश में हो और, नाम पुरुष को होगा तो भी उससे पुछे कि क्या आप स्त्रीलिंगी में उन्हें संबोधित कर सकते हैं या नही.

- **फोटो: सर्वसाधारण पोशाख पहने हुए व्यक्तियों के फोटो दे। भडकिले और लक्ष विचलित करनेवाले फोटो सर्वसमान्य लोगों में डर और अस्वरथता निर्माण करते हैं।**

जॉच पडताल के मुद्दे

समाचार देने से पहले गौर किए जाने वाले मुद्दे:

समलैंगिक व्यक्तियों के प्रति आम गलत धारणाएँ।

विषय	गलत संदर्भ	विश्लेषण/विस्तार
छोटे बच्चों का लैंगिक शोषण	गे पुरुष छोटे बच्चों का लैंगिक शोषण करते हैं।	किसी भी लैंगिक ता केव्यक्ति किसी छोटे बच्चे (लडका/लडकी) लैंगिक शोषण करते हैं। तो यह गुनाह हैं। हमसफर ट्रस्ट, समपादिक ट्रस्ट जैसी संस्थाएँ छोटे बच्चों के अधिकारों का रक्षण करती हैं और ऐसी संस्थाओकेपास छोटे बच्चों के संरक्षण के लिए नीती भी तैयार की गई हैं।
	जिन बच्चों का बचपन में लैंगिक शोषण हुआ हो वह बच्चे समलैंगिक बनते हैं।	लैंगिक झुकाव / उन्मुखता यह जन्मजात विषेशता होती हैं। जैसे किसी व्यक्ति के बाये या दाहिने हाथ से लिखना
समलैगिकता यह परिस्थितीजण्य होती हैं।	अगर स्त्री उपलब्ध नहीं है तो पुरुष समलैंगिक बनता हैं, और पुरुषों के साथ सबंध करता हैं। उदा. होस्टेल, लष्कर जेल, स्थलांतरीत	लैंगिक झुकाव पुरुषोकें संसर्गापर निर्भर नही करता; यह परिस्थितीया बदलनेसे नही बदलता ।

	कामगार इ.	
सभी समलैंगिक पुरुषो में स्त्रियों के गुण होते है।	सभी समलैंगिक पुरुष औरतों जैसा बर्ताव करते हैं।	यह एक स्टिरिओटाइप गलत धारना है । गे पुरुष कीसी एक तरह के नही होते। जैसे विषम लिंगी पुरुषों में कुछ पुरुष में पुरुष गुण और कुछ स्त्री के गणु होते है, उसी तरह से गे पुरुषों मे भी कोई पुरुष होता है तो, कोई स्त्री के गुणो वाला। तो, कोई सभी गे पुरुष औरत की तरह होते है सहाएक 'स्टिरिओटाइप' (चौकट प्रतिमा)
सभी समलैंगिक स्त्रियों में पुरुषों के गुण होते है। सभी लेस्बियन पुरुषों के गुण होते है सभी लेस्बियन पुरुषों के कपडे पहनती हैं।	लेस्बियन औरते पुरुषोंकी तरह होती हैं।	झैसे विषम लिंगी स्त्रियों में स्त्रियो के या पुरुषों के गुण होते है वैसे ही गुणधर्म समलैंगिक स्त्रियों मे हो जाते हैं। यह एक स्टिरिओटाईप(चौकट प्रतिमा) बन गई हैं।
समलैंगिक संबंध	समलैंगिक लैंगिक आकर्षण और संभोग यह अनैसर्गिक है, कुदरत के नियम के खिलाफ हैं।	सभी संस्कृतीयों मै लैंगिक संबंध कों मात्र प्रजनन तक ही सिमीत रखने की कोशीष की गई हैं।लेकिन वस्तुस्थिती अगर देखी जाय तो अनेक प्रकारके व्यवहार मौजुद हैं। ये अनुभव उन व्यक्तियों के लिए सर्वथा

		नैसर्गिक है जो इन्हे व्यवहार मे लाते हैं।
अधिकार	लैंगिक अल्पसंख्याक समाज खुद के लिए विशेष अधिकार की माँग कर रहा हैं।	लैंगिक अल्पसंख्याक खुद के लिए विशेष अधिकार की मॉग नहीं करता। जो आधिकार, भारत के संविधान ने दिए है उसके ढॉचे मे अधिकार, इस देश के नागरिक के तौर पर मॉग रहे हैं।
हिजडा समाज के व्यक्ति इंटरसेक्स लैंगिक ता के होते हैं।	हिजडा समाज के व्यक्तियों को जन्म: से दोनो जनानंग (स्त्री और पुरुष) आवश्यक होते हैं।	हिजडा यह जन्म से पुरुष और मानसिक दृष्टी से खुद को स्त्रीमाननेवाले (ट्रान्सजेंडर) व्यक्तियों का समुदाय हिजडा समुदाय के व्यक्ति जन्म से पुरुष होते है, फिर भी उनकी उन्मुखता स्त्री की होती हैं। इंटर सेक्स समुदाय व्यक्ति बहुत कम हिजडा समुदाय मे रीत लेते हैं। हिजडे मंगती करके (घरघर जाके पैसे माँग के) शादी में नाच गाना करते हैं। नवजात बालक को आशीर्वाद देके पैसे कमाते हैं। इस तरह से पैसे कमाकर जीवन निर्वाह इस परंपरा का भाग हैं।

समलैगिकता समाज मै बढ रही है। लैंगिक बतीव को इंटरनेट कारणीभूत हैं।	लैंगिक अल्पसंख्याक समाज बढ रहा हैं।	समलैंगिक और दूसरे अल्पसंख्यांक समाज का अस्तित्व हजारों सालों से हैं। लेकिन समाज के नकारात्मक दृष्टीकोन की वजह से इस समाज मे अपने अधिकार खुल कर नही माँगे थे; अब वह संगठित हो रहे हैं। और हमें भी सन्मान के साथ जीने का अधिकार है यह सार्वजनिक तौर पर कह रहे हैं। समाज में समलैंगिक समाज बढ नहीं रहा जो क्लोझेट में थे (जिन्होने अपनी लैंगिक ता जाहीर नहीं की) वह धीरे धीरे आऊट हो रहे हैं (सार्वजनिक रुप से अपनी लैंगिक ता के बारे में बात कर रहे हैं।) किसी ने मैं एलजीबीटी समाज का हिस्सा हूँ उसका अर्थ फॅशन ट्रेंड हो गया है यह मानना गलत हैं।
गेइझम (गेगिरी)	कुछ लोग कुछ गेगिरी करते है।	ॲक्टिव्हिझम के लिए इस शब्द का प्रयोग ना करें। दुसरी महत्त्वपुर्ण बाब यह कि एलजीबीटी समाज की हर एक व्यक्ति एलजीबीटी कार्यकर्ता

		हो भी सकता है और नही भी। उसका एलजीबीटी के बारे में राजनैतिक दृष्टिकोण हो सकता हैं, और दुसरों को वह वो दृष्टिकोण बताने की कोशिश करती है ऐसा जरुरी नही।
कुछ मानसोपचार तज्ञोंकी इस विषय के बारे में नकारात्मक राय होती हैं। उस राय को महत्त्व ना दें।	कुछ मानसोपचार तज्ञ मानते हैं कि समलैंगिक लैंगिक कल यह एक मानसिक बिमारी हैं, उन व्यक्तियों को बदलने का परामर्श चाहिए।	ऐसे मानसोपचार तज्ञ या अनभिज्ञ है या फिर जान बुझके उनकी व्यक्तिगत पूर्वग्रहभरी राय दुसरों पर लाद रहे हैं। अमेरिकन सायक्विॲट्रिक असोशिएशन का DSMमॅन्युअल (DSM-V)और वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनायझेशन (WHO)का विश्व स्वास्थ्य संगठन(ICD)मॅन्युअल समलैंगिक उन्मुखता को बीमारी नहीं मानता। इंडियन सायक्विॲट्रिक सोसायटी ने भी स्पष्ट कहा है कि समलैंगिक ता बीमारी नही हैं।
कुछ डॉक्टरों के इस विषय के बारे में राय नकारात्मक होते हैं। ऐसी राय को महत्त्व ना दें।	कुछ डॉक्टर इस विषय के बारे में अनभिज्ञ होने के कारण समलैंगिक उन्मुखता को मानसिक बीमारी बतातें	भारत के चिकित्सकीय प्रणाली में लैंगिक ता यह स्वत्रंत्र्य विषय सम्मिलित नहीं हैं। इसलिए अधिकतर डॉक्टरों को, विषम

	हैं।	लैंगिक ता छोडके लैंगिक अल्पसंख्याकों के बारे में ज्ञान नही हैं। इस कारण कुछ लोगों को समलैंगिक यह मानसिक बीमारी लगती हैं।
बलात्कार	पुरुष या तृतीयपंथी यों के उपर बलात्कार नहीं होते/हो सकतें।	बलात्कार या लैंगिक अत्याचार है जो किसी भी व्यक्ति के साथ हो सकता है फिर वह स्त्री हो, पुरुष हो या तृतीयपंथी हों।
वेश्याव्यवसाय	अनेक गे पुरुष सार्वजनिक जगहोंपर मिलते हैं, पार्टनर खोजते हैं और पार्टनर के साथ लैंगिक संबंध प्रस्थापित करते हैं, इसका अर्थ है कि वे उसको व्यवसाय करते हैं।	वेश्याव्यवसाय मतलब संभोग के बदले में पैसा अथवा किसी ओर वस्तू की आदान-प्रदान करना / पैसे या किसी ओर, वस्तू का आदान-प्रदान न करते हुए,पार्टनर खोजके, सहमति के साथ किए हुए लैंगिक संबंध को वेश्याव्यवसाय का नाम नही दें।
इस समुदाय की वजह से एच.आय.वी.का प्रसार होता हैं।	समलैंगिक , ट्रान्सजेंडर, और हिजडा समाज में एच.आय.वी.का पसार ज्यादा हैं। इसकी वजह उनका व्यवहार अनैतिक है यह जताना।	वेश्यावृति करने वाली महिलाएँ ट्रकर्स प्रवासी मजदूर पुरुषों के साथ लैंगिक संबंध रखने वाले पुरुष और हिजडा समुदाय इनको हाय रिस्क (एच.आय.वी का प्रसार होने का ज्यादा प्रमाण) समूह माना जाता हैं।

		इसका मतलब यह नहीं कि यह समुदाय एच.आय.वी. के प्रसार के लिये जिम्मेदार हैं। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संस्था के (NACO)के आँकडे देखने के बाद ८७.४%असुरक्षीत विषम लैंगिक लैंगिक संबंध से होता हैं.
समाजिक आर्थिक परिस्थिती	समलैंगिक सबंध यह एक तो उच्च वर्ग के चोचले हैं अथवा अशिक्षित, वंचित, गरीब समाज के लोगों की जरूरत हैं। सुशिक्षित मध्यमवर्गीय समाज में यह नहीं होता।	ऐसी राय बनने का कारण यह है कि कुछ उच्च वर्ग के व्यक्ति हम समलैंगिक है यह सर्वाजनिक रुप से मानते हैं। तो दुसरी तरफ समलैंगिक आकर्षण होना, समलैंगिक संबंध रखना यह बीमारी/विकृती है, ऐसे लोग अशिक्षित, वंचित के हैं। ऐसी विचार धारा मध्यमवर्ग के पूर्व ग्रह वाले दृष्टिकोण मध्यमवर्ग मे दिखती हैं।

दृष्टिकोण का आत्मपरीक्षण

हमारे संचार अनुसंधान में ऐसा दिखता हैं कि प्रसार माध्यम कुछ रुढ ढाँचे में इस विषय को देखती हैं। इसी दृष्टिकोण से लैंगिक अल्पसंख्यको की प्रस्तूती की जाती हैं। वृत्त संपादक के लिए नीचे कुछ दृष्टिकोण ढाँचे दिए गए हैं। आपको दिया हुआ समाचार/लेख सिर्फ नकारात्मक दृष्टिकोण से लिखा गया होगा तो उसका दूसरा आयाम खोज के / देखके उस प्रस्तृती के ऊपर आप फिरसे विचार कर सकतें हैं।

प्रसारमाध्यमों मे काम करनेवाले लोगों के लिए - दृष्टिकोन का आत्मपरिक्षण

दृष्टिकोण का ढाँचा	उस ढाँचे के पीछे का तर्क	दृष्टिकोण ढाँचा सकारात्मक हैं कि नकारात्मक
समलैंगिक ता हमारे संस्कृती के विरुध्द हैं।	समलैंगिक ता यह पाश्चात संस्कृति से आयी हुई है। वह भारत की संस्कृती से मेल नही खाती और कोई भी धर्मइसे मान्यता नहीं देता।	नकारात्मक (ऐतिहासिक दृष्टिसे असत्य)
समलैंगिक ता	दोपुरुष या दो स्त्रियाँ	नकारात्मक

अप्राकृतिक हैं।	एकदूसरे के साथ कई तरह से प्यार कर सकते है ?इनके लैंगिक संबंधमे प्रजनन नहीं होता और जिस लैंगिक संबंध से प्रजनन नहीं होता, उस संबंध को हम मान्यता क्यों दे ?	(कुछ प्राणी या पक्षियों में भी समलैंगिक दिखती हैं।)
समलैंगिक ता से एच.आय.वी./ एड्स फैलता हैं।	समलैंगिक पुरुष एक से अधिक लैंगिक साथीदार होते है अथवा उनकी वजह से एचआयवी/एड्स फैलता है।	नकारात्मक (विषमलैंगिक लैंगिक संबंध से भी एचआयवी फैलता है)
समलैंगिक ता से समाज का पतन होता हैं।	समलैंगिक ता बीमारी की तरह फैलती हैं और किशोर लडके इसका शिकार हो सकते है, इसलिए यह समाज के लिए घातक हैं।	नकारात्मक

शास्त्रीय/ वैज्ञानिक दृष्टिकोन	अएश व घअमॅन्युअलमेंसे समलैंगिक ता को बीमारी के वर्गीकरण से निकाला गया हैं। इंडियन साइक्सिअॅट्रिक सोसायटी समलैंगिक ता की बीमारी नहीं मानती।	सकारात्मक
अधिकरों का दृष्टिकोन	लैंगिक ता कौनसी भी हो सबको समान अधिकार हैं। लैंगिक अल्पसंख्यकों पर भी भारतीय संविधान में लिए गए मुलभूत अधिकार लागू होते हैं।	सकारात्मक
लैंगिक विविधता को स्वीकार करना	समलिंगी सबंधों की दास्ताने/प्रसंग कमिंग आऊट की कहानीयाँ अलग लिंगभाव की	सकारात्मक

	कहानी, इटरसेक्स व्यक्तियों की कहानी	
ऐतिहासिक दृष्टिकोण	समलैंगिकता प्राचीन काल से भारत और दूसरे संस्कृतियों में मौजूद रही हैं।	सकारात्मक
कुछ हिजडे व्यक्ति लोगों को तकलीफ देते हैं।	कुछ हिजडे व्यक्ति जोरजबरदस्ती के साथ लोगोंके पास से पैसे वसूल करते हैं।	वस्तुस्थिती दर्शक
लैंगिक अल्पसंख्यक व गुन्हेगारी	लैंगिक अल्पसंख्यकों के उपर किए गए अत्याचार/गुनाह, लैंगिक अल्पसंख्यंक व्यक्तिनेकिए हुए अत्याचार / गुनाह	वस्तुस्थिती दर्शक

संचार एवं पत्रकारिता के नीतिमुल्य

- सहमति: अगर किसी व्यक्ति का साक्षात्कार लेना है, या राय लेनी हैं। और उस व्यक्ति का छायाचित्र (फोटो) लेना हो अथवा नाम लेना हों तो पत्रकारों को उस व्यक्ति की सहमति लेनी चाहिए। वह लेख/ समाचार/फोटो इत्यादी छपने के बाद पत्रकार को उसकी जानकारी साक्षात्कार देनेवाले व्यक्ति को देनी चाहिए।
- गोपनीयता: (Confidentiality)एलजीबीटी समाज के व्यक्तियों के फोटो जानकारी लेते वक्त सर्व प्रथम उनकी सहमती लेनी चाहिए। उनकी पहचान गोपनीय रखनी चाहिए उस व्यक्ति का नाम रहने का ठिकाना, वह काम करने का स्थान / दफ्तर इत्यादी जाहिर होने के बाद उस व्यक्ति कों निजी /सामाजिक/व्यावसाईक स्थर पर तकलिफ हो सकती हैं।
- छिछोरे पन पर नियंत्रण:एलजीबीटी समाज के बारे में कुछ छिछोरे समाचार पेश किए जाते हैं। उदा. जोडीसे भागकर जाना, वरमाला पहनना, सिंदुर लगाना (धार्मिक विधी)यह कुछ समय भडकिले तैर पर उतारे जातें हैं। उस विषय की गंभीरता को ध्यान मे रखकर यह समाचार लिखना चाहिए वह विषय छिछोरा नही बनेगा, इस बात की सावधानी बरतनी चाहिए।

- **स्टिंग ऑपरेशन: (Sting Operation)स्टिंग ऑपरेशन के बाद यह समाचार हासिल के आचार सहिता में आती हैं। या नही यह विवाद का मुद्दा हैं। कही बार ऐसा दिखाइ दिया है कि, समाज के जागरुक रखवाले इस नाम पर पत्रकार एलजीबीटी समाज पर स्टिंग ऑपरेशन करते हैं।एलजीबीटी समाज के व्यक्तियों का फोटो/नाम जाहिर किया जाता हैं।एलजीबीटी लोंगो के लिए इस जानकारी का बाहर आना घातक हैं। क्योंकि अधिकतर लोगों के घर वह समलैंगिक है यह मालुम ही नही होता। इस समुदाय के लोग सार्वाजनिक रुप सें एक आने के लिए डरते हैं। खॉस जगह पर मिलना एक दुसरों को इशारा करके संदेश देना यह इस समुदाय की निजी भाषा हैं। ऐसे स्थानोंपर जाकें उन्हीं लोंगो से जानकारी लेकर स्टिंग ऑपरेशन करकें सनसनी खेज समाचार दिए जाते हैं। ऐसे समाचारों के कारण उन एलजीबीटी समाज के व्यक्तियों की नौकरीयाँ जा सकती हैं। उनको घर से बाहर निकाला जा सकता हैं। समाजकी तरफ सें उनकों धिक्कारा जा सकता हैं। कई जन के मन में आत्महत्या करणे के विचार भी आ सकतें हैं। एच.आय.वी. नियंत्रण के प्रोजेक्ट अगर इन स्थानोंपर चालू हैं तो स्टिंग ऑपरेशन इन प्रोजेक्ट के उपर भी विपरीत परिणाम डालते हैं।**
- **एलजीबीटी और अपराध: अपराध का समाचर देते वक्त पत्रकारों को यह विचार करना चाहिए कि यह अपराध एलजीबीटी समुदाय के किसीव्यक्तिने किया है तो क्या उसका गांभीर्य बढता हैं? या वही अपराध किसीभी लैंगिक ता के व्यक्तिनें किया रहता तो उसका गांभीर्य होता ?**

संभवत: गे खुन/ गे गॅग/ गे कांड शीर्षक ना दे ऐस शीर्षके कारण लोगोंको गलत संदेश मिलता हैं कि उस अपराधी का लैंगिक ता से संबंध हैं। एलजीबीटी विषय के बारें में योग्य जानकारी प्राप्त करणे के लिए एलजीबीटी संस्था के योग्य व्यक्ति सें मिलना/बात करना/महत्वपुर्ण हैं। इस मार्गदर्शिका में एसी कई संस्थाओ के नाम दिये गए हैं।

RESOURCES

Contact details of Pehchan Sub Recipient

Sr. No.	Name of Sub Recipient	Member Organization	City	State	Email	Telephone No.
1	India HIV/AIDS Alliance	India HIV/AIDS Alliance – Andhra Pradesh, SarovarCenter, 5-9-22 Secretariat Road, Hyderabad 500 063.	Hyderabad	Andhra Pradesh	NA	040-6678-1161; 6668-6261
2	The Humsafar Trust	The Humsafar Trust, 3rd Floor, Manthan Plaza, Nehru Road, Vakola, Mumbai -400055	Mumbai	Maharashtra	NA	022 2667 3800
			Goa	Goa	NA	
		63, Mansingpura Tonk Road Jaipur	Jaipur	Rajasthan	NA	NA
		STU Address-"C/o Kantilal Patel, 1, Mukhivas, Plot number - 196, House number - 198, Ground Floor, Opposite New Civil Hospital, Jagangirpura, sarwa, Ahmedabad – 80016.	Ahmedabad	Gujarat	NA	9426323866
		A 16, Kamala Nagar, Behind Bank of Varoda, Kotra, Ultanabad, Bhopal - 462 003	Bhopal	Madhya Pradesh	NA	9993951040
3	Sangama	Sangama, 82/A, Anugraha, IInd Cross, IInd Main, RMV IInd Stage, Aswathanagar, Bangalore - 94.	Bangalore	Karnataka	NA	NA
		Sangama, No. 16B, First Floor, Ureka Towers,	Hubli	Karnataka	NA	NA

		OppRanichennamma Circle, Hubli - 580029.				
		Sangama, Door No.50/1899, Major Road, Vyttila. Cochin, Kerela 682019.	Cochin	Kerala	NA	NA
4	Pehchan North Region Office (PNRO)	6 Community center, zamrudpur, kailash colony extension, New Delhi 110048	New Delhi	New Delhi	NA	NA
		75, back side , Sant Nagar, New Delhi 110065	New Delhi	New Delhi	NA	NA
		1/1031, Vishal khand 1, GomtinagarLucknow – 226001	Lucknow	Uttar Pradesh	NA	NA
		23 new patliputra colony cruch road, RD 1, Patna Bihar -800013	Patna	Bihar	NA	NA
		Sadguru traders, gagan chock, Rajpura – Punjab	Rajpura	Punjab	NA	NA
5	SAATHI	229,Kalitala Main Road,Purbachal (North) Kolkata-700078,W.B	Kolkatta	West Bengal	NA	NA
		SAATHII, Ranchi Office D 27, Ashok Vihar Ranchi, Jharkhand, PIN-834 002	Ranchi	Jharkhand	NA	0969399966 3,09708071 438
		SAATHII, Bhubaneswar Office Plot No. N3/301, IRC Village, Nayapalli Bhubaneswar 751 015, Orissa, India	Bhubaneshwar	Orissa	NA	(+91) 0674-2552845

		SAATHII, Imphal Office 4th Floor, Rajabari Road Near Singh Arts & Publicity New Checkon, Imphal East 795 002 Manipur, India	Imphal	Manipur	NA	09089644073
6	SIAAP	8/11 Jeevananthan Street, Labshibavan, Thiruvanmayuv,Chennai -600041	Thiruvanmayuv	Chennai	NA	NA

Web site links

www.humsafar.org
www.projectbolo.org
www.gaysifamily.org
www.orinam.net
www.Queer-ink.com
www.glaad.org
www.infosem.org
http://samapathiktrust.wordpress.com/

About KASHISH Mumbai International Queer Film Festival

Voted as one of the Top 5 LGBT Film Festivals in the World, the annual KASHISH Mumbai International Queer Film Festival is South Asia's biggest queer film festival and the only LGBT film festival in India to be held in a mainstream theatre. The fifth edition of the film festival was held in May 2014 at Liberty Cinema and Alliance Francoise de Bombay. The film fest hands out cash prizes worth Rs.85,000 sponsored by AnupamKher's Actor Prepares, WadiaMovietone and Wendell Rodricks.

Besides the annual five-day film festival, KASHISH organizes events through the year – **Best of KASHISH**: film screenings in India and abroad, **KASHISH Forward**: India's first travelling queer campus film festival in educational institutions across India and **KASHISH Rendezvous**: screening of films and talks on equal rights and diversity at the work place at corporate houses.

KASHISH believes that films and art are a powerful medium to bring about social change. KASHISH uses its reach and spread, as one of Mumbai's important film festivals, to rally public opinion towards equality and dignity for gay, lesbian, bisexual and transgender persons. KASHISH is committed to bringing the best of international and Indian queer cinema to Mumbai. It, also, provides a platform for Indian filmmakers who make films on queer themes, taking these films to other parts of India and across the world.
Festival Website: http://www.mumbaiqueerfest.com/ |
Facebook: http://www.facebook.com/Kashish.MIQFF | Twitter: http://twitter.com/KashishMIQFF
YouTube: http://www.youtube.com/user/KASHISHfilmfest

DVDs

KASHISH Shorts is a compilation DVD released every year by KASHISH, with a specially curated collection of Indian and South

Asian Queer Short films that have won awards, critically acclaimed or been popular at KASHISH.

KASHISH has released 4 DVDs KASHISH Shorts 2010, KASHISH Shorts 2011, KASHISH Shorts 2012, KASHISH Shorts 2013
They can be bought at http://queer-ink.com/
They can be bought internationally at http://astore.amazon.com/indianqueershorts-20

BOOKS/MAGAZINES AND DVDS AVAILABLE ON GENDER SEXUALITIY AND SEXUAL MINORITIES (Available atwww.Queer-ink.com)

Sr. No.	Title	Author/Editor	Publisher	Year Published
1	A Chughtai Collection	IsmatChughtai	Women Unlimited	2010
2	About Me: ApniKhabar	P.B. Sharma 'Ugra'/Translated by Ruth	Penguin India	2007
3	Autobiography of a Sex Worker	NaliniJameela	Westland	2008
4	Because I have a Voice: Queer Politics in India	A. Narrain& G. Bhan	Yoda Press	2007
5	BhupenKhakhar	G. Devy, N. Mehta & B. Srinivasan	Katha	2001
6	Blue: The Tranquebar Book of Erotic Stories from Sri Lanka	Hussein Ameena	Tranquebar	2011
7	Bombay Dost 2009	Ashok Row Kavi	Humsafar Trust	2009
8	Bombay Dost 2011	Ashok Row Kavi	Humsafar Trust	2011
9	Bombay Dost 2013	Ashok Row Kavi	Humsafar Trust	2013
10	Cinnamon Gardens	ShyamSelvadurai	Penguin India	1998
11	Close, Too Close: The Tranquebar Book of Queer Erotica	Meenu and Shruti	Tranquebar	2012
12	Cobalt Blue	Author Sachin Kundalkar/ Translated by Jerry Pinto	Penguin Books India	2013
13	Electric Feather	Ruchir Joshi - Ed	Tranquebar	2009
14	Erotic Literature of Ancient India	Sandhya Mulchandani	Roli Books	2007
15	Eunuch Park	Palash K. Mehrotra	Penguin India	2010
16	Gandhi's Tiger and Sita's Smile	Ruth Vanita	Yoda Press	2008
17	Gay Bombay	ParmeshShahni	SAGE	2000
18	Gender, Sex and the City	Ruth Vanita	Orient Black Swan	2012
19	Hostel Room 131	R. Raj Rao	Penguin India	2010

20	Indradhanu - H	BindumadhavKhire	Self-published	2009
21	Indradhanu - M	BindumadhavKhire	Self-published	2008
22	Jamali- Kamali: A Tale of Passion in Mughal India	Karen Chase	Mapin Lit	2011
23	Jaya	DevduttPattanaik	Penguin India	2010
24	Kari	AmrutaPatil	HarperCollins India	2008
25	Law, Like, Love: Queer Perspectives on Law	Arvind Narrain&Alok Gupta (Ed.)	Yoda Press	2011
26	Love's Rite: Same-Sex Marriage in India and the West	Ruth Vanita	Penguin India	2005
27	Made in India: Decolonizing Queer Sexualities, Trans/national Projects	SuparnaBhaskaran	Palgrave Macmillan/St Martins Press	2004
28	ManaviLaingikataekPrathamikOlakh	BindumadhavKhire	Sampathik Trust	2011
29	My Brother…Nikhil	Onir	Yoda Press	2011
30	My Magical Palace	Kunal Mukherjee	Harper Collins	2012
31	My Own County	Abraham Veghese	Vintage	1995
32	New Life: Selected Stories	Viyai D. Detha	Penguin India	2008
33	Our Bodies Our Selves	Boston Womens Health Collective	Women Unlimited	2005
34	Our Lives Our Words	A. Revathi	Yoda Press	2011
35	Out! Stories from New Queer India	MinalHajratwala	Queer Ink	2012
36	Partner - Hindi	BindumadhavKhire	Self-pub.	2010
37	Partner - Marathi	BindumadhavKhire	Self-published	2008
38	Past Continuous	Neel Mukherjee	Picador India	2008
39	Perfectly Untraditional	Sweta Srivastava Vikram	Niyogi Books	2011
40	Pink Sheep	Mahesh Natarajan	Gyaana Books	2010
41	Quarantine	Rahul Mehta	Random India	2010
42	Same-Sex Love in India : A Literary History	Ruth Vanita&SaleemKidwai -Ed	Penguin India	2000

43	Sex and Power: Defining History, Shaping Societies	Rita Banerji	Penguin India	2008
44	Six Meters Of Pavement	Farzana Doctor	Rupa	2011
45	Slither: Carnal Prose	Urmilla Deshpande	Tranquebar	2011
46	Stealing Nasreen	Farzana Doctor	Rupa	2007
47	Sycorax: New Fables and Poems	SunitiNamjoshi	Penguin India	2005
48	The Dead Camel & other Stories	Parvati Sharma	Zubaan	2010
49	The Man Who Would be Queen	Hoshang Merchant (Ed.)	Penguin	2011
50	The Phobic and the Erotic	Bose & Bhattacharyya	Seagull Books	2007
51	The Pregnant King	DevduttPattanaik	Penguin India	2008
52	The Truth About Me	A. Revathi	Penguin India	2010
53	Translating Desire	Brinda Bose (Ed.)	Katha	2002
54	Travails of Entrapment	Himadri Roy	Leadstart Publishing	2012
55	Whistling in the Dark	R. R. Rao & D. Sarma (Ed)	SAGE	2007
56	Wish You Were Here: Memories of a Gay Life	Sunil Gupta	Yoda Press	2005
57	With Respect to Sex: Negotiating Hijra Identity in South India	Gayatri Reddy	Yoda Press	2006
58	Yaraana 2010	Hoshang Merchant (Ed.)	Penguin India	1999
59	You Are Not Alone	ArunMirchandani	Leadstart Corp	2010

MAGAZINES

Sr. No.	Title	Author/Editor	Pub. Date	Publisher
1	Agenda	Hutokshi Doctor, John Samuel (Editors)	2007	CCDS
2	Bombay Dost	Ashok Rao Kavi/VikramPhukan	2009	HST
3	Gaysizine	Anuja Parikh / SakshiJuneja	2011	Gaysi Family

4	Queer Chronicle	Keith Athaide –Dsilva	2009	Queer Chronicle
5	Pink Pages	UdayanDhar	2009	Pink Pages
6	Chasing Numbers Betraying People	Not mentioned	2011	Aneka
7	Defending Human Rights	OishikSicar, Debolina Dutta &SnehaGole	2007	CCDS
8	Exploring Queer Identity	AmeyKolhe/Imran Ali Khan	2010	CCDS
9	Forbes	Digital 18 Media Ltd	2011	Digital 18 Media Ltd
10	FUN 2011	Prince Gohil	2011	Prince Gohil
11	Human Rights Violations In The Transgender Community	PUCL, Karnataka	2005	
12	Policing Morality in Channapatna	PUCL, Karnataka		PUCL, Karnataka
13	Positive Spaces	MonidipaMondal (Ed)		Open Space
14	Sahodaran Calendar 2011	Sunil C. Menon	2011	Sahodaran
15	Sahodaran Calendar 2012	Sunil C. Menon	2012	Sahodaran
16	Sanghamitra	NithinManayath	2008	Good As You
17	Swikriti 2nd Bookfair Edition	R. Chakrabarty& N. Nag (Ed)	2005	Dumdum Swikriti Soc.
18	Swikriti 3rd Bookfair Edition	R. Chakrabarty (Ed)	2006	Dumdum Swikriti Soc.
19	Swikriti 5th Bookfair Edition	Suryadipto Nag (Ed)	2008	Dumdum Swikriti Soc.
20	Swikriti 6th Bookfair Edition	Suryadipto Nag (Ed)	2009	Dumdum Swikriti Soc.
21	Swikriti 7th Bookfair Edition	S. Nag & R. Ghosh	2010	Dumdum Swikriti Soc.
22	Time Out Bengaluru (Feb 17 - March 1, 2012)	Jaideep V.G	2012	Paprika Media
23	Time Out Bengaluru (Feb 19 - March 4, 2012)	Jaideep V.G	2012	Paprika Media
24	Time out Mumbai mar 16-29 2012	VaishnaviChandreshekhar	2012	Paprika Media
25	Trade Union Protections for Sex Workers	KSWU	2009	KSWU
26	Trikone Summer 2011	Ali (Ed)	2011	SatyajitPande

27	Trikone Winter 2010	Ali (Ed)	2010	SatyajitPande

DVDs

Sr. No.	Title	Director	Producer	Language
1	68 Pages	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	Hindi
2	Colors Black	Mamta Murthy	Majilis	English
3	Diaries of Transformation	Anirban Ghosh	Anirban Ghosh	Bangla with English subtitles
4	Gender Trouble	Roz Mortimer	Wonderdog Productions	Hindi/English
5	GulabiAaina	Sridhar Rangayan	Sridhar Rangayan/ Sagar Gupta	Hindi
6	Happy Hookers	Ashish Sawmy	Box Office Productions	English
7	I Am: When Being Onself Is Not Enough	Sonali Gulati	Sonali Gulati	English and Hindi
8	Manjuben Truck Driver	ShernaDastur	Sehjo Singh	Hindi
9	MilindSoman Made Me Gay	Harjant Gill	Tilotama Productions	
10	Our Family	Anjali Monteiro	TISS	Tamil with English Subtitles
11	P(I)ain Truth	IlppoPohjola	Crystal Eye Ltd	
12	Project Bolo - 3 Short Films	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	Hindi/English
13	Project Bolo - Aditya &Pramesh full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
14	Project Bolo - Aditya, Hoshang, Pramesh& Raj Short	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
15	Project Bolo - Ashok &Shivnandan Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
16	Project Bolo - Ashok, Bindu, Manav Short	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
17	Project Bolo - Betu&Geeta Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
18	Project Bolo - Betu, Geeta, Giti& Ruth Short	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English

19	Project Bolo - Bindumadahv&Manav Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
20	Project Bolo - Dalip&Giti Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
21	Project Bolo - Dalip, Saleem& Shiv Small	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
22	Project Bolo - Gauri&Lachi Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
23	Project Bolo - Gauri, Lachi, Laxmi&Nisha Short	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
24	Project Bolo - Hoshang& Raj Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
25	Project Bolo - Jehangir& Sunil Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
26	Project Bolo - Jehangir& Sunil Short	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
27	Project Bolo - Laxmi&Nisha Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
29	Project Bolo - Saleem& Ruth Full	Sridhar Rangayan	The Humsafar Trust	English
30	Scribbles on Akka	Madhusree Dutta	Majilis	English
31	Sundari: An Actor Prepares	Madhusree Dutta	Majilis	English

INFOSEM Registered Organization List

Andhra Pradesh

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
Mythri Yuvajana Sangam	Madanapalli	jayanna_rrs@yahoo.co.in / rrsmpl@gmail.com	099667-99110 / 094407-99095 / 098858-70972
Suraksha Society	Hyderabad	surakshasociety@yahoo.com / kris_naidu@rediffmail.com	040-27614015 / 09346764898
Saathi	Vijayawada	yatin01in@yahoo.com	9848110004
Samaikya Society	Secunderabad	ssamaikyaasociety@yahoo.com	9848180850, 9866717734
Subhodaya Society	Secunderabad	subhodayasociety@yahoo.com	9963634200
Surakshaa Saujam	Kurnool	surakshaasaujam.kurnool@gmail.com	9703030470
Subhodhyam welfare	Nellor	Subhodayam.nellore@gmail.com	9848767509
Pavitra Maitri Sangam	Kadapa	PavitraMaitriSangam.kadapa@gmail.com	8563274499
Sneham cbo	Anantpur	snehamcboatp@gmail.com	8554238557
Mordern Awarness Society	Warangal	mas.warangal@gmail.com	9247025290
Vijayareke Welfare Association	Vijayanagaram	vrwa2008@gmail.com	8922251567
CBO Sneha Godavari Society	Godavari	snehagodavari@gmail.com	9959775184

Assam

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
Northern Black Rose Society	Siliguri	northernblackrose2010@gmail.com aalokol@yahoo.co.in	9477439507 9126207148
Bhorakha	Guwahati	jahirali47@yahoo.com	9854474688

Bihar

Member Organisation	City	Email	Telephone No.

Sammaan	Mujjafarpur	sammaanbihar@yahoo.com	9801434831
Progressive Actual work for all Needy (PAWAN)	Rohtas	pehchan.pawan@gmail.com	9631149283
Sangharsh Foundation	Jehanabad	pehchan.sangharsh@gmail.com	9934632446
Bihari Sakha	Aurangabad	biharisakha@gmail.com	8409905070
Dostanasafar Foundation	Bhobuo	dostanasafar@gmail.com	9386449169
Delhi			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**
Sangini India	Delhi	sangini97@hotmail.com /	9810671603
Naz Foundation	Delhi	gopalan.anjali@gmail.com, naz@nazindia.org, anjaligopalan@rediffmail.com	9910308374
Adhikaar	Delhi	msmtaskforce@gmail.com	093111-70181
Kinnar Bharti	Delhi	kinnarbharti@gmail.com / pahal_foundation@yahoo.com	099901-37125/ 099100-26990
India HIV/AIDS Alliance	Delhi	smehta@allianceindia.org	098188-09050 / 011-41633081
Mitr Trust (MSM CBO)	Delhi	mitr.cbo@gmail.com / roopeshchettri@gmail.com	011-65107911 / 099106-16910
Sakhi Foundation	Delhi	pehchan.sakhifoundation@gmail.com	9311424244
SMART	Delhi	psmartdelhi@gmail.com psmartdelhi@yahoo.com	9910424712
Parivartan	New Delhi	parivartandelhi@gmail.com	9999695854
Buniyad Foundation	Delhi	pehchan.buniyad1@gmail.com	8800137086
Goa			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**

The Humsaath Trust Goa	Vasco	humsaathgoa@gmail.com / deephumsaath@rediffmail.com	0832-2500144 / 098239-50669
Rishta	Calangute	rishta_vcare@yahoo.co.in / rishta_vcare@hotmail.com	0832-2275843 / 98221-75248
DARPAN GOA	Vasco	darpangoa@yahoo.in	0832-2511625 / 2514902 / 098235-78469
Zindagi Goa	Vasco	goazindagi@gmail.com	9823754869
Gujarat			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**
Lakshya Trust	Surat	lakshyatrustsurat@yahoo.com	026-2421539 / 026-6560163
Garima	Surat	lakshyatrustsurat@yahoo.com / salimagvan@yahoo.com/ garimafoundation@yahoo.com	0261-6560163 / 098981-28260
Dhyeya Foundation	Baroda	lakshya_121@rediffmail.com	0265-2461340 / 0265-6555561
Vikalp Parma	Vadodara	vikalpwomensgroups@gmail.com vikalpgroup@gmail.com	9687325211 0265-2352589
Shakya Foundation	Gandhinagar	shakyafoundation@gmail.com	9904150010
Swavlambi Chawal Mandal	Ahmedabad	swavlambi.cbo@gmail.com	079-22163438
Foram Foundation	Baroda	foramfoundation@yahoo.com	9904528867
Saath Sangathan	Choteudapur	saathsangathan@yahoo.in	9979148688
Haryana			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**
Pahal Foundation	Faridabad	pahal_foundation@yahoo.com / yashwinder_80@yahoo.com	0129-4132076 / 098180-95307

Karnataka

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
Sangama	Bangalore	sangama@sangama.org / advocacysangama@gmail.com	080-23438840 / 080-23438843
Swabhava Trust	Bangalore	swabhava_trust@hotmail.com, vinu228@yahoo.com	080-22230959 / 98441-81294
Karnataka Sexual Minorities Forum	Bangalore	ksmforum@gmail.com	95351-44614 / 99163-86534
Aneka	Bangalore	shubha.chacko@gmail.com / shubhachacko@yahoo.co.uk	092434-46105 / 096322-23460
Samara	Bangalore	samaraban@gmail.com	080-22113795
Sadhane	Bangalore	sadhanekarnataka@gmail.com	080-7272752 / 099861-36893
LesBit	Bangalore	lesbit.lbwp@gmail.com	099450-90301 / 099016-82151
Payana	Bangalore	payana2009@gmail.com / payanalist@gmail.com	09611144901 / 09972736749
Saamarthya	Hubli	samarthya.org.dharwad@gmail.com, mushtaq7869@gmail.com	9845474763
Srusti Sankula arogya mathu Samajaseva Samsthe	Gadag	srustisankula@gmail.com	9740564973
Sneha Sinchana	Mysore	snehasinchana.mys@gmail.com	9008219373

Madhya Pradesh

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
Mitra Shringar Samiti Bhopal	Bhopal	shringarmsm@gmail.com	98272-90265
Chhatisgarh Mitwa	Raipur	cgmss11@gmail.com yashmin.kinnar786@orkut.com	09009448443 7869895010

Badlaav Samiti	Indore	badlaav.samiti@gmail.com, abhishek.badlaav2011@gmail.com	9977792945
Mitra Talash Seva Kalyan Samiti	Raisen	mitratalashsamiti@gmail.com	7482222270

Maharashtra

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
Dai Welfare Society	Mumbai	daiwelfaresociety@rediffmail.com / ranu429@yahoo.com	022-25482129 / 98921-27429
Astitva Trust	Mumbai	astitvasm@gmail.com / laxmirakasha@yahoo.co.in	+91 7738081002 / 9594985000
Humsafar Trust	Mumbai	vivek.hst@gmail.com	98211-52980
Sarathi Trust	Nagpur	sarathitrust_2005@yahoo.co.in / anand.chandrani@gmail.com	0712-2560376 / 93256-32795
Sakhi Char Chawghi Trust	Mumbai	sgaurisawant@gmail.com	022-28801465 / 98332-43117
Samapathik Trust	Pune	samapathik@hotmail.com/ khirebindu@hotmail.com	020-64179112 / 9763640480/ 9730360168
Mooknayak Sanstha	Mumbai	mooknayak_sangli@yahoo.co.in	0233-2531062 / 99609-32902
Kinnar Kastoori	Mumbai	kinnar.kastoori@gmail.com	098195-03389
Aarambh	Thane	patil.hstmumbai@gmail.com	098674-88042
Sanjeevani	Mumbai	sanjeevani.mumbai@gmail.com	032-449475/ 09172091416
Kinnar Asmita	Mumbai	kinnar.asmita@gmail.com / nitinkene@gmail.com	9167947771
Gaurav Trust	Mumbai	hstgaurav@gmail.com / kumarshetty3110@gmail.com	098203-37468
Ekta Foundation	Mumbai	ektafoundation@rediffmail.com / abibharati@rediffmail.com	022-25966161 / 098676-46323
Humsaaya Welfare Samtha	Mumbai	humsaaya.surksha@gmail.com	022-65239780 / 26785455

Sexual health welfare AIDS Sanstha	Thane	shwas_org@yahoo.in	022-65238084 / 093245-27161
Triveni Samaj Vikas Kendra	Mumbai	triveni@yahoo.com / triveni_tgaastha@yahoo.com	022-28885597 / 098921-59779
Darpan Foundation	Mumbai	darpanfoundation666@gmail.com / amma.sharmila@yahoo.com	23080201 / 093246-01581
Maitry HIV/AIDS Sanghatan	Kolhapur	mr.ajitmane@rediffmail.com	099210-63504 / 099214-55606
Jankalyan Gramin	Latur	hanand01@yahoo.com / sahyog_mukta@yahoo.com	097632-43451 / 099700-30215
Aarju Foundation	Mumbai	aarjufoundation2010@gmail.com	09820173011 / 09769611966
Ashirwad Sanstha	Pune	panna.aashrivad@gmail.com / mahadevtouti@ymail.com	09890102862/ 09881066906
Humsafar Trust	Mumbai	smurgi@gmail.com	8879230656
Samaanta Foundation	Mumbai	samaanta.foundation@gmail.com	9820514314 9930181870
Hamrahi Trust	Navi Mumbai	hamrahitrust@gmail.com	9322897840
Rahi Foundation	Dhule	rahifoundation01@gmail.com	9673891006
Sambodhan Trust	Chandrapur	sambodhan@gmail.com	8605137945
Bharari Welfare Society	Nanded	bhararisociety@yahoo.in	9766057327
Sayam Trust	Aurangabad	kharat_ambadas@ymail.com	8956322077
Manmilan Bahudeshya Samajik Sanstha	Nasik	cbo.manmilan@gmail.com	9960621989
Dostana Sangh	Solapur	dostana696@gmail.com	0217-2651299
Samarpan Trust	Amravati	samarpantrust4lgbti@gmail.com	9004720382
Mitra Talash Seva Kalyan Samiti	Raisen	mitratalashsamiti@gmail.com	7482222270
Janjagruti Trust	Sindhudurga	janjagruthi@gmail.com	7588921627
Prarambh Foundation society	Mumbai	prarambhf@gmail.com	9930019749

Jagruti Trust	Jalgoan	----	9673362368
Suraksha Trust	Ratnagiri	hamrahitrust@gmail.com	9004651438
Jugnu Trust	Thane	jugunutrustthane@gmail.com	9175793677
Saheli Trust	Thane	sahelitrust2001@gmail.com	9769208732
Aashiyana Foundation	Thane	aashiyanafoundation.thane@gmail.com	9004315805
Praarambh Trust	Nagpur	praarambhtrust@gmail.com	9970858996
The light of Asia	Parbhani	mandeashok@rediffmail.com	9822433095

Manipur

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
AASHA	Imphal	aashaimphal@gmail.com, sam_sam6396@yahoo.com	98566-86085 / 98629-66857
Maruploi Foundation	Manipur	maruploi_Foundation@yahoo.co.in	9856119092

Orissa

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
Santi Seva	Orissa	santiseva@yahoo.com,amitava_kolkata@yahoo.co.in	94387-87724 / 99031-43305
Sakha	Bhubaneswar	sakha.orissa@gmail.com / subhammishra123@gmail.com	094386-32408 / 094383-42493
Sakhi	Bramha Pur	meerasakha123@gmail.com sakhiganjam.sakhaodisha@gmail.com	9938971823 9438632408
Odisha TG / Hijra Welfare Trust	Bhubaneshwar	odishatghijrawelfare@gmail.com	9853769590
Ekta	Koraput	jagruti.pehchan@gmail.com	-
Universal Service Organisation	Rayagada	usorayagada@gmail.com	9437033349

Bhawanis	Kalahandi	bh231951@gmail.com	9938396343, 8908069693
MITO	Mayurbhanj	meetombj@gmail.com	9438461026
Laxmi narayan MSM CBO	Balangir	lakshminarayancbo@rediffmail.com	6652234574
Pondicherry			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**
SCOHD Society	Pondichery	sahodaran_pondy@sify.com /sahodaranpondi@gmail.com	0413-2222469 / 2221696 / 0413-4210271
Punjab			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**
Himayat Foundation	Ludiana	pehchan.himayat@gmail.com	9417056748
Shaan Jalandhar	jalandhar	shaan.pehchan@gmail.com	9876555095
Welcome Foundation	Nawashar	welcomepehchan@gmail.com	9876731048
Kashish Foundation	Patiala	pehchan.kashish@gmail.com	9876868406
Navjeevan Foundation	Gurudaspur	pehchan.navjeevan786@gmail.com	9646297640
Mansa Foundation	Firozpur	pehchan.mansa@gmail.com	9569507797
Rajasthan			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**
Nai Bhor Sanstha	Jaipur	naibhor@indiatimes.com, nahid_mohd2000@yahoo.co.in	98929291377
Tamil Nadu			
Member Organisation	**City**	**Email**	**Telephone No.**

Social Welfare For Men	Chennai	sekar_swam@rediffmail.com / swamchennai@gmail.com	098404-37656
Sahodaran Trust	Chennai	sahodaranchennai@gmail.com / smenonc@gmail.com	044-65277810 / 04423740486 / 94449-66000
Snegyitham	Tiruchiraalli	snegyitham@yahoo.com / snegyitham@gmail.com	099445-48999 / 99947-74734
Lotus Intergrated AIDS Awareness Sangam	Kumbakonam	lotus_sangam@yahoo.co.in / muthukumar.news@gmail.com	098943-86934
Passam Social Welfare Organization	Cuddular	scohdsociety@gmail.com	9894455200
SIAAP	Chennai	admin.siaap@gmail.com, indu@siaapindia.org, indumathi.ravishankar@gmail.com	044-24522285/ 2452330
Kith & Kins Social Welfare Organisation	Nagapattinam	kithandkinscbo@yahoo.co.in / paul_jeeva@rediffmail.com	099655-48871 / 099655-48872
Kunthavai Nachiyar AIDS Thaduppu Sangam	Thanjavur	kunthavaisangamindia@gmail.com	099948-87739 / 04362-294635
Minnal AIDS Thadupu Sangam	Kadaloor	minnalsangamindia@gmail.com	097882-58809 / 099947-13320
Neithel AIDS Control Sangam	Tuticonn	neithelsangam@gmail.com	099942-26649 / 099446-73120
Arthamadhees	Tirichankodi	arthanarisangamindia@gmail.com	090256-74317 / 099425-12959
Sumangali AIDS Vizhippunarvv Sangam	Rasipuram	sumangalisangamindia@gmail.com / thiruppathi1@gmail.com	099949-46984 / 99425-12237
Krishnagiri AIDS Vizhippunarvn Sangam	Krishnagiri	krishnagirisangamindia@gmail.com	098946-64925 / 093607-92079
Saravana poigai AIDS Thadapv Sangam	Paloni	saravanapoigaisangamindia@gmail.com	099654-45747 / 092453-82727

Vadamalar AIDS Thaduppu Sangam	Salem	vadamalarsangamindia@gmail.com	094421-43256 / 094428-47794
Challenge AIDS Thaduppu	-	savaalkuttuamaippu@gmail.com / palanivel_bahu@yahoo.co.in	099942-26649
Kumari AIDS Thaduppa	Kanya Kumari	katscbo@gmail.com / britto_ashraf@yahoo.co.uk/ kats_cbo@yahoo.co.in	097869-19193 / 097877-67709 / 097877-67712
Sahodari Foundation	Chennai	aurokaki@gmail.com / reachkalki@gmail.com	098847-00409
Transgender Rights Association	Chennai	trajeeva@gmail.com/ jeevashabi@yahoo.com	098845-87007
CARE Community Association for Relief and Empowerment	Dindigul	thenicare@yahoo.co.in , info.zenith@y.mail	9842346723, 0451-2422021
Udayam Social Welfare Organisation	Pudukottai	udayam.chos@yahoo.co.in	9786602949, 043622-261790
Health Organisation for males to empowerment	Thiruvanamalai	shivaa.tn@gmail.com, home.tvmalai@gmail.com	09790990622, 9840699776
Nirangal	Chennai	nirangal.india@gmail.com	9840699776
Peacock Foundation Social Welfare Organisation	Chennai	peacockjs12@gmail.com	9994848729
Positive Aravani	Vellore	positivetg@yahoo.com	4162915265
Thozhi	Chennai	thozhiindia@gmail.com	9941262992
Vanavil Foundation	Chennai	vanaviltg@gmail.com	9789023157

Uttar Pradesh

Member Organisation	City	Email	Telephone No.

Maan	Lucknow	arif@i_nfi.co.in,info@infi.co.in, info@i-nfi.co.in	522-2205269/ 9415206969
Bharosa Trust	Lucknow	imraan@bharosatrust.co.in / board@bharosatrust.co.in	0522-2208689 / 098397-24719
Ibteda-e-anees	Lucknow	commitment@ibteda-e-anees.org / help@ibteda-e-anees.org	0522-2209027 / 094151-16969
Hamdam Foundation	Hardoi	hamdamfoundation@gmail.com / fahim.rahul@gmail.com	9935298944
Naya savera Trust	Firozabad	pehchan.nayasavera@gmail.com	9368751933
Ekta Seva Sanstha	Kushinagar	ektasevasansthan1404@gmail.com	9918092113
Ujala Samaj Sevi Sanstha	Lalitpur	pehchan.ujala@gmail.com	05176-276344
Rhythm Foundation	Barabanki	pehchan.rhythm@gmail.com	9793330597
Jagriti Foundation	Mathura	jagritipehchan@gmail.com	9458478777
Basera Samajik Sansthan	Noida	basera.pehchan@gmail.com	9810724880
Asha Trust	Varanasi	pehchanashatrust@gmail.com	9936891440
Rose Foundation	Farukkhabad	pehchan.rose@gmail.com	9027631784
Sankalp Trust	Kanpur	pehchan.sankalptrust@gmail.com	8808537979
Hum Khayal Trust	Jaunpor	pehchan.humkhayaltrust@gmail.com	05452-689797
Saathi Seva Sansthan	Meerut	pehchan.sathi@gmail.com	8954584077

West Bengal

Member Organisation	City	Email	Telephone No.
AMITIE Trust	Belurmath	amitie.trust@yahoo.com	7278571173
Dum Dum Swikriti Society	Kolkata	swikriti_03@yahoo.co.in,swikriti 2003@hotmail.com	94330-09190 / 98317-43608/

			94333-22535
SAATHI	Kolkata	saathii@yahoo.com, pawan30@yahoo.com	0332-4844835 / 098312-88023.
Kolkata Rishta	Kolkata	kolkatarista@yahoo.co.in / rosesangiri@yahoo.co.in	93392-19696 / 93398-21138
People Like Us (Plus)	Kolkata	admin@pluskolkata.org / plus@india.com / agniva@pluskolkata.org / pluskolkata@gmail.com	033-24029305 / 098305-10527
Burdwan Swapnil	Burdwan	swapnilburdwan@gmail.com	9332234865\ 7699626824
Astitva Dakshin	Joynagar	astitvadakshin@yahoo.co.in / megherdeb@yahoo.co.in	098361-85589 / 098308-37440
Koshish	Kolkata	koshishsanjay@rediffmail.com / koshishsanjay@yahoo.co.in / jas_san2000@yahoo.co.in	098300-23153 / 098317-71764
Madhya Banglar Sangram	Murshidabad	sangram_06@hotmail.com / swadhin_cheta@yahoo.co.in	096146-02325 / 099326-51575
Prantik	Bowgaon	ajnil123@rediffmail.com / prantikbon@gmail.com	090026-66285 / 093329-95622
Cheshta	Kolkata	cheshtaup@rediffmail.com	9831771764
Jalpaiguri Uttarapan	Jalpaiguri	jalpaiguriuttarapan@rediffmail.com, debjit_bagchi@yahoo.com	9832562550 9609901747
Ekta	Dakhghar	ekta24pg@yahoo.com	9038967587
Nabadiganta Society	Dakshin Dinajpur	Nabadiganta2012@gmail.com	9804973734
Moitri Sanjog	Cooch Beha	moitrisanjog2011@gmail.com	9126898749
Birbhum Samparko	Birhum	samparko.birbhum@gmail.com	9332234865
Manjlish	Kolkata	manjlishsociety@gmail.com	8296070026
Bandhan	Kolkata	ranjitbandhan69@rediffmail.com ,ranjita666@gmail.com/bandhan_kolkata@gmail.com	098300-27185 / 099033-92103
Prothama	Kolkata	prothoma.kolkata@gmail.com	9830859329
Asansol Prayaas	Asansol	giri.saroj2010@rediffmail.com prayaas_wb@yahoo.in	9434581381 9749253294

NOTE: This list is effective on 1st January 2015. Any change in details post this date needs to be verified on infosem2009@gmail.com